RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:11 ता. 07 जुलाई 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

शहीद कुलभूषण को शौर्य चक्र

- राष्ट्रपति मुर्मू ने शहीद की माँ और पत्नी को शौर्य चक्र प्रदान कर सम्मानित किया

शिमला। नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने शहीद कुलभूषण मांटा को मरणोपरांत शौर्य चक्र से नवाजा है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल के कुपवी के शहीद मांटा की मां और पत्नी को राष्ट्रपति मुर्मू ने शुक्रवार शाम को शौर्य चक्र देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में पहुंची 25 वर्षीय शहीद कुलभूषण की माँ की आंखें उस वक्त नम हो गईं जबकि उनके शहीद बेटे का नाम पुकारा गया। उनके साथ शहीद बेटे की पत्नी नीतू भी मौजूद थीं। गौरतलब है कि अक्तूबर 2022 में जम्मू-कश्मीर के बारामुला में आतंकियों का एनकाउंटर किया गया था। इसी बीच हिमाचल प्रदेश के शिमला के कुपवी के गांव गौंड के कुलभूषण मांटा आतंकियों की गोली से घायल हो गए। वो घायल अवस्था में भी आतंकियों से लड़ते रहे और एक आतंकी को उन्होंने जिंदा पकड़ा। इलाज के दौरान बाद में उनकी मौत हो गई। कुलभूषण 18 साल की उम्र में सेना में भर्ती हुए थे। वे अपने माता पिता के इकलौते बेटे थे। वो अपने पीछे मां, बहन, पत्नी और बच्चा छोड़ गए।

बैंक कटे-फटे नोट बदलने से इंकार नहीं कर सकतेः आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों के अनुसार कोई भी बैंक कटे-फटे नोट बदलने से इंकार नहीं कर सकता है। अगर कोई बैंक नोट नहीं बदलता है, तब इसकी शिकायत की जा सकती है। यस बैंक को भी अब कटे-फटे नोट बदलने से इंकार करना महंगा पड़ा है। आरबीआई ने यस बैंक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। यस बैंक ने बाजारों को दी जानकारी में बताया कि यह दंड कटे-फटे नोट नहीं बदलने पर लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने यस बैंक को भेजे पत्र में बताया कि आरबीआई अधिकारियों के एक शाखा में दौरा करने के दौरान कटे-फटे नोट नहीं बदले जाने के प्रमाण मिले थे। आरबीआई के सख्त दिशानिर्देश हैं कि बैंकों को खराब नोटों को बदलना होगा। वे ऐसा करने से इंकार नहीं कर सकते हैं। 10 रुपये से अधिक मूल्य के किसी भी कटे-फटे नोट को बैंक में बदला जा सकता है। बशर्ते कि उसका 50 प्रतिशत से ज्यादा भाग मौजूद हो और नोट का पहचान नंबर साफ दिखाई दे रहा हो। सरकारी और निजी बैंक या आरबीआई इश्यू ऑफिस के काउंटरों पर बिना किसी फॉर्म को भरे ही नोट बदले जा सकते हैं। आरबीआई ने पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) पर 1.32 करोड़ रुपये का दंड लगाया। यह दंड लोन, उधारी और केवाईसी मानदंडों को पूरा नहीं करने पर लगाया गया है।

अद्भुत संयोगः 22 जुलाई सोमवार से शुरु होगा सावन, समापन भी सोमवार को ही

नई दिल्ली। हिंदू धार्मिक ग्रंथ के अनुसार सावन का महीना बड़ा पवित्र माना जाता है। इस महीने में लोग भोले नाथ की पूजा करते हैं। इस साल यह महीना सोमवार से शुरु हो रहा है और ऐसा इत्तेफाक है कि इसका समापन भी सोमवार को ही होगा। ऐसा संयोग सालों में देखने को मिलता है। ज्योतिष की दृष्टि से इस बार का सावन बेहद शुभ है, क्योंकि इसमें कई अद्भुत संयोग बन रहे हैं। वहीं, इस बार का सावन इसलिए और भी खास है, क्योंकि इसकी शुरुआत सोमवार से होगी और समापन भी सोमवार को होगा, वैदिक पंचांग के मुताबिक सावन का महीना 22 जुलाई यानी सोमवार से शुरू होगा। वहीं, इसका समापन 19 अगस्त यानी दिन सोमवार को रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर होगा। इसके साथ ही सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 21 जुलाई, 2024 दिन रविवार को दोपहर 3.46 मिनट पर शुरू होगी। उदयातिथि को देखते हुए 22 जुलाई सोमवार से सावन शुरू होगा। सावन सोमवार यानी 22 जुलाई को सुबह से लेकर रात 11 बजकर 40 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसके अलावा प्रीति योग और श्रवण नक्षत्र योग भी है। इसके बाद अगले दिन यानी 23 जुलाई को सुबह 5 बजकर 57 मिनट से दोपहर 12 बजकर 5 मिनट तक पुष्कर योग रहेगा।

मनीष सिसोदिया को फिर झटका, 15 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली । दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद आप नेता मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सीबीआई के मामले में बढ़ी है। 6 जुलाई को उनकी न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था जिसके बाद कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। सिसोदिया पिछले साल 26 फरवरी से सीबीआई की हिरासत में है। इसके बाद ईडी ने भी उन्हें गिरफ्तार किया था। इसके पहले दिल्ली की एक कोर्ट ने सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इसके साथ कोर्ट ने ईडी को आरोपी व्यक्तियों को दो दिनों के भीतर चार्जशीट और दस्तावेजों की कॉपियों उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। इसके पहले ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नौवीं चार्जशीट दायर कर विनोद चौहान नाम के व्यक्ति को आरोपी बनाया था। ईडी ने जांच के तहत मई में चौहान को गिरफ्तार किया था।

53 साल के बाद 1 ही दिन में देश मनाएगा 3 उत्सव

जगन्नाथ रथ यात्रा रविवार को, पूरे शहर का कराया बीमा

भुवनेश्वर ।

भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी में रथ यात्रा की तैयारी पूरी हो चुकी है। रविवार को भगवान मंदिर से निकलकर अपने भक्तों को दर्शन देने वाले है। इस दिन देश-दुनिया से करीब 15 लाख भक्तों के पहुंचने की उम्मीद है। सुरक्षा को देखकर संपूर्ण नगरी का बीमा कराया गया है।

पुरी मंदिर के सुरक्षा अधिकरी ने बताया कि रथ यात्रा के दिन मंदिर के अंदर 1000 से अधिक जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले है। सड़क किनारे जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। वहीं मंदिर प्रबंधन की ओर से बताया गया कि रथ यात्रा के दौरान श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से पूरे म्यूनिसिपल एरिया का बीमा कराया जाता है। रथ यात्रा के दौरान किसी हादसे में मौत होने पर 5 लाख रुपए मुआवजा देने का प्रावधान है।

इस बार रथ यात्रा में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू शामिल हो रही हैं। वे दो दिनों तक पुरी में रहेंगी। इसकारण सुरक्षा व्यवस्था ज्यादा मजबूत है। इसके अलावा प्रदेश के सभी विधायक, सांसद दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि 180 प्लाटून फोर्स की तैनाती की गई है।

पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग

रथ यात्रा के दिन व्यवस्था बनाने में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली गई है। यात्रा के दिन बहुत ही ज्यादा ट्रैफिक का दबाव रहेगा। अनुमान के अनुसार 500 बसों, 5000 अन्य गाडियां और 20 हजार दोपहिया वाहन आएंगे। इन्हें संभालने के लिए हाइवे और पुरी शहर में 40 जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है।

एआई के माध्यम से गाड़ियों की गणना, जाम से बचाने और ट्रैफिक के फ्लो को बनाए रखने का काम होगा। जगह-जगह एलईडी स्क्रीन लगाकर पार्किंग, पास और अन्य जानकारी दी जाएगी। यातायात प्रबंधन के साथ लोगों को संबोधित करने के लिए पहली बार ड्रोन का उपयोग होगा।

एक करोड़ से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद

पूजापंडा समिति के अध्यक्ष माधव चंद्र पूजापंडा ने बताया कि 7 से 17 जुलाई तक दुनियाभर से एक करोड़ से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद है। इसके लिए पुरी शहर पूरी तरह से तैयार है। अगले चार दिन के लिए शहर के सभी होटल-लॉज बुक हो चुके हैं। पुरी होटल एसोसिएशन के अनुसार, शहर में 6000 से अधिक छोटे-बड़े होटल और 2000 से अधिक लॉज हैं। किराया तीन दिन के पैकेज के आधार पर तय हुआ है। यह आम दिनों की अपेक्षा दो से तीन गुना अधिक है।

53 साल बाद ऐसा मुहूर्त

53 साल बाद ऐसा मुहूर्त आया है कि जब एक ही दिन तीन उत्सव होने है। भगवान का नवयौवन दर्शन, नेत्रोत्सव और रथयात्रा रविवार को निकलेगी। रविवार सुबह 2 बजे से ही मंगलआरती से रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान मंदिर के अंदर सेवा देने वाले पुजारियों के अलावा और कोई नहीं रहेगा। करीब 2.30 बजे भगवान का स्नान होगा। हालांकि यह दोनों रस्म भगवान की प्रतिमूर्ति के साथ होगी।

भगवान जगन्नाथ बीमार होने के 15 दिन बाद स्वस्थ हुए हैं, तब तक उनकी प्रतिमूर्ति की पूजा हो रही थी। इसके बाद भगवान का पट खुलेगा और चंदन लगाने का विधान होगा। खिचड़ी प्रसाद और सेना पोटा लागी विधान में 4 से 5 घंटे लग जाएंगे। इसके बाद मंगला अर्पण होगा। दोपहर 12.30 बजे पहंडी निकलेगा। भगवान मंदिर से निकलकर रथ पर सवार होगा। इसके बाद उनका श्रृंगार होगा। इस तरह दोपहर 2.30 बजे तक भगवान तैयार होगा।

मोदी सरकार 3.0 का पहला पूर्णकालीक बजट 23 जुलाई को

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेगी पेश

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया की संसद का बजट सत्र 22 से 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2024-25 का बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वहीं, केंद्रीय बजट, 2024-25, 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। चुनावी वर्ष होने के कारण इस साल दो बार बजट पेश हो रहा है। इसके पहले एक फरवरी, 2024 को एक अंतरिम बजट पेश किया गया था। अब सरकार के गठन के बाद पूर्ण बजट पेश किया जाएगा।

नारी शक्ति को सशक्त बनने बजट में हो सकते कई ऐलान

केंद्रीय बजट 2024-25 में कई सेक्टर और वर्ग सब्सिडी, टैक्स राहत और अन्य सब्सिडी की उम्मीद कर रहे हैं। मोदी सरकार 3.0 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपनी टीम के साथ बजट में महिलाओं को सशक्त बनाने कुछ बड़े ऐलान कर सकती हैं।

साथ ही कुछ पॉलिसी को लेकर भी बदलाव कर सकती हैं। इसमें सब्सिडी में बढ़ोतरी और महत्वपूर्ण वस्तुओं की लागत को कम करने पर फोकस हो सकता है। फरवरी में अंतरिम बजट 2024 के दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने खुलासा किया कि मुद्रा योजना के तहत 30 करोड़ के लोन महिला उद्यमियों को वितरित किए गए हैं। इसके अलावा, 83 लाख स्वयं सहायता समूह (सीएचजी) और एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए समर्पित हैं।

जानकारों का मानना है कि पूर्ण बजट 2024 में महिलाओं की बेहतरी के लिए सब्सिडी लागू करना और महत्वपूर्ण वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए टैक्स में अतिरिक्त छूट मिल सकती है। खासकर रसोई गैस से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं पर सब्सिडी मिल सकती है। इसके अलावा, महिलाओं को टैक्स छूट देने पर भी मोदी सरकार विचार कर सकती है। ये टैक्स छूट काफी अलग हो सकते हैं।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा रोकी, यात्रियों को वापस बेस कैंप भेजा

पहलगाम।

अमरनाथ यात्रा बारिश के बाद भी कल यानी शुक्रवार तक यह यात्रा जारी थी. लेकिन खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया है। बीती रात से ही रही लगातार बारिश के चलते यह फैसला लिया गया। सुबह 6 बजे तक यात्रियों ने दोमेल चेक प्वाइंट पर यात्रा करने का इंतजार किया। अधिकारियों ने दिया। मिली जानकारी और मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक अमरनाथ यात्रियों के किसी भी नए जत्थे को नुनवान बेस कैंप से संदनवारी अक्ष के जरिए से अमरनाथ गुफा की ओर जाने की इजाजत नहीं दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक मौसम में सुधार होने के बाद ही यात्रियों को आगे जाने की इजाजत दी जाएगी। यात्री प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं से संतुष्ट हैं। भारी बारिश के बावजूद 5600 से ज्यादा तीर्थयात्रियों का जत्था गुरुवार को अमरनाथ गुफा मंदिर के शिविरों बालटाल और पहलगाम की ओर जम्मू से रवाना हुआ था। वहीं अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को 30,000 से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अब तक एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। गौरतलब है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को यात्रा के लिए हरी झंडी दिखाई थी जिसके बाद से अब तक कुल 37,522 तीर्थयात्री जम्मू शिविर से रवाना हो चुके हैं। यात्रा 29 जून को शुरू हुई और 19 अगस्त को खत्म होगी। पिछले साल साढ़े चार लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए थे।

हाथरस भगदड़ कांड : मुख्य आरोपी मधुकर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

-गिरफ्तारी पर था एक लाख का ईनाम घोषित

नई दिल्ली।

हाथरस भगदड़ कांड के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को आज शनिवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मुख्य आरोपी को शुक्रवार देर रात दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था।

जानकारी अनुसार हाथरस मामले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस ने एक लाख रुपये का ईनाम घोषित कर रखा था। शुक्रवार को उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया गया और मेडिकल कराकर आज शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है, ताकि उससे गहनता के साथ पूछताछ की जा सके। गौरतलब है कि हाथरस में 2 जुलाई को बाबा के कार्यक्रम में हुई भगदड़ में करीब 123 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में उसे भेज दिया है।

इसके साथ ही उम्मीद जाहिर की गई है कि हाथरस पुलिस सोमवार या मंगलवार को आरोपी देव प्रकाश मधुकर की पुलिस रिमांड के लिए कोर्ट में आवेदन दे सकती है। यहां बताते चलें कि शुक्रवार रात हाथरस पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से आरोपी मधुकर को हिरासत में लिया था।

आरोपी मधुकर के गिरफ्तार करने और कोर्ट में पेश किए जाने संबंधी जानकारी हाथरस के एसपी निपुण अग्रवाल ने देते हुए कहा कि हाथरस घटना का मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी मधुकर का मेडिकल कराकर कोर्ट में पेशी कराई है।

एसपी अग्रवाल का कहना है कि इनकी फंडिंग की जांच भी की जा रही है और दानदाताओं की लिस्ट भी जुटाने का कार्य किया जा रहा है।

भारी बारिश से उत्तराखंड में कई सड़कें व राजमार्ग बंद, रेड अलर्ट जारी

डूबने से दो की मौत, नैनीताल जिले में आज भी स्कूल बंद

नई दिल्ली।

देश के करीग सभी राज्यों में मानसून की बारिश शुरु हो चुकी है। उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इसमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी शामिल हैं। उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश से दो लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने 6-7 जुलाई के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के चलते नैनीताल जिले में आज भी स्कूल बंद रहे। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक आज यानी शनिवार को नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, उधम सिंह नगर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने के आसार हैं। इसके साथ ही चमोली और पौड़ी जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। बता दें शुक्रवार को चंपावत जिले के लोहाघाट, बागेश्वर जिले के कपकोट और गढ़वाल के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। देहरादून में एक मासूम की बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूब गया और एक

किशोर की हरिद्वार के नाले में डूब गया। देहरादून में भी रुक-रुक कर हो रही भारी बारिश से कई सड़के तालाब बन गई है। सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन हुआ है, जिससे बद्रीनाथ जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कें पर आवागमन थम सा गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने कहा कि भूस्खलन ने 88 ग्रामीण सड़कों, दो सीमा सड़कों, एक राज्य राजमार्ग और बद्रीनाथ मंदिर की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध हो गया है।

दीपावली व छठ के लिए ट्रेनों में नहीं मिल रहा टिकट

चार महीने पहले ही सीट फुल

नई दिल्ली।

बारिश के मौसम के साथ अब अगस्त के महीने से त्यौहारों का मौसम भी शुरु हो जाएगा जिसको लेकर बहार जाने वाले लोग अभी से ट्रेनों में बुकिंग कराने लगे हैं। इस साल दिवाली 1 नवंबर को है। छठ पूजा भी इस माह 7-8 तारीख को है। दोनों त्यौहार में अभी करीब चार महीने का समय है, लेकिन दिल्ली से बिहार और यूपी जाने वाली ट्रेनों में लोगों को सीट नहीं मिल रही हैं। स्थिति यह है कि दो नंवबर को पटना राजधानी से लेकर विक्रमशिला एक्सप्रेस और वैशाली एक्सप्रेस तक में वेटिंग का टिकट भी नहीं मिल रहा है। इन ट्रेनों में एसी2, एसी3 क्लास में रिगरेट आ रहा है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में दिवाली के बाद छठ त्योहार का बड़ा महत्व है। इस त्योहार के लिए लोग चार महीने पहले से टिकट बुक करवा लेते हैं। यह इसलिए कि रेलवे में एडवांस रिजर्वेशन का पीरियड चार महीने पहले का ही है। शुक्रवार को दिल्ली से पटना के लिए दो नवंबर 2024 के टिकटों की बुकिंग सुबह 8 बजे खुली। सुबह 8.05 मिनट पर चेक किया गया तो पटना राजधानी के एसी 2 और एसटी 3 में रिगरेट दिखाया। रिगरेट का मतलब है इस ट्रेन का वेटिंग टिकट भी जारी नहीं किया जा रहा है। दीपावली और उसके बाद ट्रेन में जहां सीटें नहीं हैं, वहीं दूसरी ओर फ्लाइट की टिकट भी महंगी हो गई हैं। जैसे-जैसे त्योहार करीब आएंगे वैसे वैसे टिकटें और महंगी होती जाएंगी। हवाई सफर में 27 अक्टूबर से 7 नवंबर 2024 तक हवाई जहाज का न्यूनमत किराया 7093 रुपए है। उस दिन यदि दोपहर की इंडिगो फ्लाइट में टिकट लेना है तो आपको आठ हजार रुपए से ज्यादा का किराया देना होगा। पूर्वांचल के लोगों के लिए दीपावली और छठ पूजा का बहुत महत्व है। दिल्ली में रहने वाले ज्यादातर पूर्वांचल के लोग अपने पैतृक गांव में ही छठ पूजा करना पसंद करते हैं। पांच जुलाई को दो नवंबर के लिए ऑनलाइन रिजर्वेशन विंडो खुली और कुछ ही मिनटों में सारी सीटें फुल हो गईं। नई दिल्ली से पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग है। कई लोगों ने तो दीपावली के दिन की भी टिकट बुक करा ली है, जिससे छठ पूजा पर अपने घर पहुंच सकें। इसी तरह मुजफ्फरपुर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति है। वहीं दो नवंबर

को सभी ट्रेनों के एसी3 और एसी2 में रिगरेट दिखा रहा है। नई दिल्ली से भागलपुर जाने वाली विक्रमशिला, गरीब रथ आदि ट्रेनों में भी रिजर्वेशन नहीं मिल रहा है।

पीएम मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ते तो उनका राजनितिक करियर खत्म हो जाता: राहुल

-अहमदाबाद पहुंचे नेता प्रतिपक्ष बोले-अयोध्या की तरह गुजरात में भी बीजेपी को हराएंगे

अहमदाबाद। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का अहमदाबाद दौरा शुरू होते ही हंगामा मच गया। राहुल जैसे ही अहमदाबाद पहुंचे, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उनके पुतले जलाने शुरू कर दिए। ये विरोध संसद में राहुल के कथित हिंदू विरोधी बयान को लेकर किया जा रहा था। पुलिस प्रदर्शन कर रहे हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी। आसपास के इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई, जिससे कोई अप्रिय घटना न हो।

राहुल गांधी ने हिंदू संगठनों के इस विरोध का जवाब अपने ही अंदाज में दिया। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, तो मैंने सोचा कि मोदीजी ने इसका उद्घाटन किया, लेकिन वहां अंबानी-अडानी तो दिखे, पर कोई गरीब नजर नहीं आया।

राहुल ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में बीजेपी का पूरा फोकस राम मंदिर और अयोध्या के इर्द-गिर्द ही था, जिसकी शुरुआत आडवाणीजी ने की थी। मोदीजी ने तो सिर्फ उनकी मदद की थी। राहुल का यह बयान दर्शाता है कि वे बीजेपी के धार्मिक एजेंडे को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अहमदाबाद में राहुल की यह यात्रा न सिर्फ राजनीतिक बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी काफी अहम मानी जा रही है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अहमदाबाद दौरे पर हैं। राहुल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से संबोधित करते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ते तो अयोध्या की जनता उनका राजनितिक करियर खत्म कर देती। राहुल ने कहा भाजपा में कोई भी पीएम मोदी को पसंद नहीं करता है।

अयोध्या की तरह गुजरात में भी बीजेपी को हराएंगे

राहुल गांधी ने अपने गुजरात में बीजेपी और नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि हम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को गुजरात में वैसे ही हराएंगे जैसे हमने उन्हें अयोध्या में हराया। राहुल ने कहा कि एयरपोर्ट बनाने के लिए अयोध्या के किसानों की जमीन ले ली।

अयोध्या के लोग इस बात से नाराज थे कि राम मंदिर के उद्घाटन में अयोध्या से किसी को भी आमंत्रित नहीं किया था। जो आंदोलन आडवाणी जी ने शुरू किया था।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी 8 जुलाई को जा सकते हैं मणिपुर, विस्थापितों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मणिपुर संकट से निपटने और समाधान के लिए विपक्षी नेता राहुल गांधी ने 8 जुलाई को मणिपुर का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान राज्य के सीएसओ नेताओं से मिलेंगे और चुराचांदपुर, मोइरांग और अन्य स्थानों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मिलेंगे। राहुल गांधी की मणिपुर की यात्रा विपक्ष के नेता के रूप में देश में उनकी पहली यात्रा होगी। इससे पहले लोकसभा में राहुल गांधी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर अपनी नीतियों और राजनीति के कारण मणिपुर को गृहयुद्ध में धकेलने का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता ने जातीय हिंसा भड़कने के बाद से राज्य का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में विपक्ष की ओर से बहस की शुरुआत करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे मणिपुर में कुछ हुआ ही नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसा लगता है मानो मणिपुर भारत का राज्य नहीं है। हमने पीएम मोदी से आग्रह किया कि वे संदेश दें, वहां जाएं, लेकिन कोई नहीं गया। आपको जवाब नहीं मिल सकता। राहुल गांधी ने पूर्वोत्तर राज्य में महिलाओं की दुर्दशा का भी जिक्र किया। सत्तापक्ष की एक टिप्पणी का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आप अपने संगठन में महिलाओं को शामिल नहीं करते हैं, लेकिन मैं उनके बारे में बोल सकता हूं। मणिपुर पिछले साल मई से हिंसा की चपेट में है क्योंकि घाटी के प्रभुत्व वाले मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में कुकी आदिवासियों द्वारा आयोजित एक मार्च के बाद राज्य में जातीय हिंसा भड़क उठी थी।

कांवड़ यात्रा और मोहर्रम.....यूपी पुलिस पूरी तरह अलर्ट

लखनऊ । (एजेंसी)

नोएडा पुलिस ने आने वाले दिनों में कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को देखकर व्यापक इंतजाम शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए अधिकारी लगातार लोगों के बीच बैठक कर रहे हैं। नोएडा के हर जोन में बैठक कर पुलिसकर्मी लोगों को नए कानून की जानकारी दे रहे हैं। पुलिस अधिकारी प्रवीण कुमार ने तीनों नए कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023) में महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बीच उन्होंने कहा कि नए कानून आमजन की सुविधा के लिए बनाए गए हैं। तीनों नए कानूनों की मदद से पीड़ितों को तुरंत न्याय मिलेगा। नए कानून से आम जनता को कोई भी परेशानी नहीं होगी। अब मुकदमा दर्ज करना काफी आसान हो जाएगा और लोगों को सहूलियत भी होगी। गौरतलब है कि मोहर्रम 7 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। कावड़ यात्रा 22 जुलाई से लेकर 2 अगस्त तक चलेगी। यह देखकर पुलिस प्रशासन पूरी तरीके से सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने में लगा है। कावड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु नोएडा से होकर हरिद्वार की तरफ जाते हैं। कावड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा, जिसके लिए प्लान अभी से तैयार किया जा रहा है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और हरियाणा से लाखों भक्त इस कावड़ यात्रा में शामिल होते हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार इस यात्रा को पूरी तरीके से सुरक्षित बनाने के लिए अभी से अपने प्रयास में जुट गई है।

शिवसेना नेता पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना। (एजेंसी)

पंजाब में शिवसेना नेता संदीप थापर उर्फ गोरा पर निहंग बनकर आए हमलावरों ने हमला कर दिया था। इस मामले में पंजाब पुलिस ने हमलावरों को फतेहगढ़ साहिब से गिरफ्तार कर लिया है। हमला करने वाले तीन आरोपियों की पहचान जोटा, साबा और लाडी के रूप में हुई है। तीनों लुधियाना के ही रहने वाले हैं। इसमें एक आरोपी संदीप थापर के गनमैन को धक्का देकर भगा दिया, जबकि दो आरोपियों ने संदीप थापर पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया था। संदीप थापर के गनमैन एएसआई सुखवंत सिंह के मुताबिक संदीप सिविल अस्पताल से बाहर निकले, तो हमलावरों ने उनका वाहन रोक लिया। एक हमलावर ने सुखदेव की रिवॉल्वर छीनने के इरादे से धक्का दिया, जबकि दो अन्य हमलावरों ने संदीप थापर पर हमला किया और उन्हें लहूलुहान कर दिया। उन्हें बुरी तरह घायल करने के बाद दो आरोपी उनकी एक्टिवा छीनकर भाग गए। बीजेपी ने हमले की निंदा की और पंजाब के सीएम भगवंत मान के इस्तीफे की मांग की। पंजाब बीजेपी महासचिव अनिल सरीन ने कहा कि भगवंत मान न केवल राज्य के मुख्यमंत्री हैं, बल्कि उनके पास गृह विभाग भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आई है, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर होती जा रही है। बीजेपी नेता ने दावा किया कि हत्या और डकैती के मामलों और गैंगस्टरों की गतिविधियों में काफी बढ़ गई है, इसके चलते लोगों में डर है।

हादसे के दोषी या उपद्रवी बख्शे नहीं जाएंगे : भोले बाबा

हाथरस हादसे के बाद पहली बार भोले बाबा का सामने आया बयान

नई दिल्ली। हाथरस सत्संग के दौरान मची भगदड़ के बाद पहली बार भोले बाबा सामने आए हैं। शनिवार सुबह एक मीडिया चैनल से बाबा ने कहा कि वह सत्संग के दौरान हुई भगदड़ की घटना से दुखी हैं और संगत को इस दुखी की घड़ी से उबरने की शक्ति दें। सभी शासन और प्रशासन पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि जो भी उपद्रवी हैं, वो बख्शे नहीं जाएंगे। हमारी समिति मृतकों के परिजन और घायलों की तरह से मदद करेगी।

भोले बाबा का यह बयान हाथरस हादसे के मुख्य आरोपी और सेवादार देवप्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी के बाद आया है। शुक्रवार देर रात हाथरस हादसे के मुख्य आयोजक देवप्रकाश ने पुलिस के सामने सरेंडर किया था। इसकी पुष्टि खुद भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने की थी। उन्होंने कहा कि देवप्रकाश दिल के मरीज है। तबीयत ठीक नहीं थी। उत्तरप्रदेश पुलिस ने उन पर एक लाख का इनाम रखा था।

हाथरस हादसे की जांच कर रही एसआईटी ने दावा किया कि भगदड़ लापरवाही और बदइंतजामी की वजह से हुई। अधिकारी हालात परखने में फेल हुए हैं। रिपोर्ट में जिले के प्रमुख अफसरों समेत 90 लोगों के बयान लिए गए हैं। अभी तक जो भी सबूत मिले हैं, उनमें आयोजक दोषी साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आगरा जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ एसआईटी प्रमुख हैं। हाथरस हादसे की जांच तीन सदस्यीय एसआईटी कर रही है। विस्तृत जांच अभी आना जारी है, जिसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। हादसे में पुलिस ने चार जुलाई को बाबा के छह सेवादारों को गिरफ्तार किया था। इनमें दो महिलाएं भी हैं। देवप्रकाश की गिरफ्तारी के बाद यह संख्या सात हो गई है। हाथरस हादसे पर बसपा सुप्रीमो मायावती का पहला बयान सामने आया है।

उन्होंने अपने एक्स पर लिखा- देश में गरीबों, दलितों को अपनी गरीबी व दुख दूर करने के लिए हाथरस के भोले बाबा जैसे बाबाओं के अंधविश्वास और पाखंड के बहकावे में आकर अपना दुख और नहीं बढ़ाना चाहिए, बल्कि डॉ. अंबेडकर के बताए रास्ते पर चल कर इन्हें सत्ता अपने हाथों में लेकर तकदीर बदलनी होगी। यानी इन्हें बसपा से जुड़ना होगा, तभी ये लोग हाथरस जैसे कांड से बच सकते हैं।

ब्रिटेन में केरल के सोजन जोसेफ ने जीता चुनाव, घर पर मनी दीवाली

- परिणाम का रात भर इंतजार करता रहा परिवार, पिता के छलके आंसू

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)

ब्रिटेन में हाल ही आज चुनाव संपन्न हुए हैं जिसमें लेबर पार्टी ने जीत दर्ज की है। इस चुनाव में भारतीय मूल के कई नेताओं भी जीत कर आए हैं। इनमें केरल के एक शख्स स भी हैं जिनकी जीत की खुशी में केरल में कोट्टायम के पास अथिरमपुझा के गांव में सोजन जोसेफ के घर की लाइटें उस रात बंद नहीं हुईं जब ब्रिटेन में हुए चुनाव के परिणाम आने थे। सोजन का पूरा परिवार परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। सोजन जोसेफ के पिता की आंखों से उस समय खुशी वह निकले जब लेबर पार्टी के उम्मीदवार उनके बेटे सोजन ने कंजर्वेटिव और यूनियनिस्ट पार्टी के डेमियन ग्रीन को 1,779 मतों से हराया। सोजन के पिता ने कहा कि बेशक, मैं अपने बेटे की जीत से बहुत खुश और उत्साहित हूं। हम तब से यह सुनने का इंतजार कर रहे थे, जब से मेरे बेटे ने मुझे बताया कि वह चुनाव लड़ा रहा है। जोसेफ का घर रिश्तेदारों और दोस्तों से भरा हुआ था और जीतते ही पटाखे फोड़ने की आवाजें सुनाई देने लगीं। सोजन के घर पर दीवाली जैसा माहौल था। उनके भाई की पत्नी ने कहा कि जोसेफ और उनके छह भाई-बहन और उनके बच्चे सभी ब्रिटेन में ही हैं।

सोजन की भाभी ने कहा कि वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के मनोचिकित्सा विभाग में एक नर्स हैं। कोट्टायम में कॉलेज के बाद वह बेंगलुरु में नर्सिंग की पढ़ाई करने चले गए। अब वह पिछले 23 वर्षों से एनएचएस में काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद थी कि वह चुनाव जीतेंगे। जोसेफ की बहन ने कहा कि जब वह यहां कॉलेज में था, तो वह कभी राजनीति में नहीं आया। यूके पहुंचने के बाद ही उनमें राजनीति में रुचि पैदा हुई और अब उनका और हमारा सपना सच हो गया। जोसेफ वर्तमान में एंग्लस्फोर्ड और ईस्ट स्टॉर वार्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले बोरो काउंसलर हैं।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 20 की मौत

पटना । (एजेंसी)

बिहार के अलग-अलग जिलों में वज्रपात की घटना में 20 लोगों की मौत हुई। भागलपुर में चार, जहानाबाद में तीन, मधेपुरा, सहरसा, नालंदा, बेगूसराय और वैशाली में दो-दो लोग तथा पूर्वी चंपारण, रोहतास और सारण में वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत हो गई। भागलपुर में घोघा पंचायत के वार्ड नंबर 12 के सदस्य उपेन्द्र मंडल (34) की जानीडीह गांव के समीप वज्रपात से झुलसकर मौत हो गई।

वहीं कुशाहा गांव निवासी मोनिका देवी (36) खेत में काम कर रही थी, तभी वज्रपात से मौत हो गई। इस तरह वज्रपात से एक लड़की की मौत हो गई तथा दो अन्य झुलस गईं। केलाबाड़ी गांव निवासी विपीन मंडल की पुत्री आरती कुमारी (16) के रूप में की गई है।

इस घटना में ममता कुमारी और नूजी कुमारी झुलस गईं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं रसलपुर गांव के निकट निर्माणाधीन फोरलेन के समीप वज्रपात की चपेट में आने से मजदूर उत्तम पटेल (19) की मौत हो गई।

मधेपुरा में बभनी पंचायत के दाहा गांव में वज्रपात की घटना में खेत में काम कर रहे मदन यादव की झुलसकर मौत हो गई तथा एक महिला झुलस गई। वहीं जिले के गहिरका टोला वार्ड 12 निवासी शंकर मेहता की पत्नी ममता देवी (35) खेत में काम रही थी, तभी वज्रपात की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई तथा एक अन्य झुलस गई।

सहरसा में सुखौड़ी गांव निवासी कुश कुमार (15) और नवहट्टा की नौला पंचायत के रसलपुर गांव निवासी अंजलि कुमारी (16) की वज्रपात से झुलसकर मौत हो गई। रोहतास जिले के हटिया गांव में कुछ बच्चे आम के पेड़ के नीचे बैठे हुए थे। तभी बारिश के साथ वज्रपात हुआ। इस घटना में 15 वर्षीय रौशन कुमार की मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे झुलस गए। झुलसे बच्चों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। मोतिहारी में चामुटोला में खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति की वज्रपात से झुलसकर मौत हो गयी।

मस्तिष्क खाने वाली बीमारी का शिकार हुआ किशोर, अस्पताल में भर्ती

केरल में सामने आया अमीबा संक्रमण का चौथा मामला, तीन की हो चुकी है मौत

कोझिकोड। (एजेंसी)

केरल में मस्तिष्क खाने वाले अमीबा के संक्रमण का एक और मामला सामने आया है। यह बीमारी अमीबिक मेनिंगोएन्स फलाइटिस दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा से होती है। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उत्तरी केरल के कोझिकोड जिले का पय्योली निवासी एक किशोर इस संक्रमण से पीड़ित है। अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। मई के बाद से राज्य में अमीबा से होने वाले संक्रमण का यह चौथा मामला सामने आया है और अब तक के मामलों में बच्चे ही इससे पीड़ित हुए हैं। इससे पहले के मामलों में तीनों बच्चों की मौत हो चुकी है। एक डॉक्टर ने शनिवार को बताया कि किशोर को एक जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया था और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। किशोर में संक्रमण की पहचान कर ली गई और विदेश से दवाइयां मंगाई गई हैं और उसका उपचार किया जा रहा है। इससे पहले बुधवार रात 14 वर्षीय एक किशोर की इसी संक्रमण से मौत हो गई थी, मलप्पुरम की पांच वर्षीय लड़की और कन्नूर की 13 वर्षीय किशोरी की मस्तिष्क संक्रमण से मौत हो गई थी। संक्रमण के मामले बढ़ने पर केरल के सीएम पिनराई विजयन ने एक बैठक की, जिसमें

संक्रमण को रोकने के लिए गंदे जलाशयों में नहीं नहाने के साथ ही कई सुझाव दिए। बैठक में यह सुझाव भी दिया गया कि स्विमिंग पूल में क्लोरीन डाला जाना चाहिए और बच्चों को इनमें प्रवेश करते समय सावधान रहना चाहिए क्योंकि वे इस बीमारी से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सीएम विजयन ने यह भी कहा कि सभी लोगों को जलाशयों को साफ रखने का ध्यान रखना चाहिए।

ओडिशा हाई कोर्ट का फैसला, सरोगेसी से मां बनने वाली महिला मैटरनिटी लीव की हकदार

भुवनेश्वर । (एजेंसी)

सरोगेसी से मां बनने वाली महिला कर्मचारी को मैटरनिटी लीव पर हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फैसले में कहा कि सरोगेसी से मां बनने वाली महिला कर्मचारी भी मैटरनिटी लीव की पूरी हकदार है। हाई कोर्ट ने कहा कि यह न सिर्फ महिला के लिए जरुरी है, बल्कि नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर होगा।

ओडिशा हाई कोर्ट में जस्टिस संजीब कुमार पाणिग्रही की सिंगल बेंच ने एक महिला कर्मचारी के केस में फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार एडॉप्टिव मां को मैटरनिटी लीव दे सकती है, तब सरोगेसी से मां बनने वाली कर्मचारी को इससे वंचित रखना गलत होगा।

यह है मामला

मामले में याचिकाकर्ता ओगाबाधु एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में ज्वॉइंट डायरेक्टर (अकाउंट्स) है। याचिकाकर्ता 20 अक्टूबर 2018 को सरोगेसी से मां बनी थी। महिला ने 25 अक्टूबर 2018 से 22 अप्रैल 2019 तक के लिए मैटरनिटी लीव के लिए आवेदन दिया था। साथ ही महिला ने 23 अप्रैल 2019 से 9 सितंबर 2019 के लिए ईएल भी अप्लाई किया था। महिला ने 10 सितंबर 2019 को वापस ज्वॉइन कर लिया था। महिला की छुट्टी का आवेदन स्वीकृति के लिए वित्त विभाग भेजा गया था। वित्त विभाग के अंडर सेक्रेटरी ने महिला का आवेदन लौटा दिया था। अधिकारियों से निवेदन किया था कि वह गवर्नमेंट सर्वेंट्स रूल्स के तहत इस तरह की छुट्टियां अप्लाई की जा सकती हैं या नहीं। ऐसा भी संकेत दिया गया था कि रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी या सरोगेसी के जरिए मां बनने पर छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं है।

इसके बाद महिला हाई कोर्ट पहुंची। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ओडिशा सर्विस कोड के रूल 194 के तहत महिला कर्मचारी 180 दिनों की मैटर्निटी लीव की हकदार है। इतना ही नहीं, अगर महिला कर्मचारी किसी एक साल तक के बच्चे को गोद लेती है तब उस स्थिति में छुट्टी को एक साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। हालांकि चौंकाने वाली बात यह थी कि इसमें सरोगेसी से मां बनने को लेकर कोई प्रावधान नहीं था।

गुजरात में फर्जी आईएएस-आईपीएस के बाद फर्जी स्कूल पकड़ाया

- मध्यप्रदेश के दंपति कर रहे संचालित, पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजकोट। (एजेंसी)

गुजरात में फर्जी आईएएस और आईपीएस अफसर के बाद अब फर्जी स्कूल संचालित होने का मामला सामने आया है। गुजरात के राजकोट में मलियान के पिपलिया गांव में इस फर्जी स्कूल का भंडाफोड़ हुआ है। जिला शिक्षा विभाग ने स्कूल को सील कर दिया है और इसे संचालित करने वालों की तलाश शुरु कर दी गई है। शिक्षा विभाग इस मामले में कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

फर्जी स्कूल को लेकर एक अधिकारी ने कहा कि लिविंग सर्टिफिकेट नहीं देने के संबंध में इंग्लिश माध्यम के स्कूल के खिलाफ उन्हें शिकायत मिली थी। इसके बाद मामले की जांच की तो पाया कि मध्यप्रदेश के संदीप तिवारी और उनकी पत्नी कात्यानी तिवारी स्कूल का संचालन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह दंपति चार दुकानें किराए पर लेकर बिना इजाजत एक से दसवीं क्लास तक गौरी प्री-प्राइमरी स्कूल नाम से इसे संचालित कर रहे थे।

शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद पूरे मामले की सच्चाई सामने आई। इस मामले में विभाग ने मध्य प्रदेश के रहने वाले दंपति को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। छापेमारी में स्कूल में कक्षा एक से दसवीं तक के 29 छात्र मिले। विभाग कोशिश कर रहा है कि जो छात्र स्कूल में पढ़ रहे हैं उनकी शिक्षा प्रभावित न हो. इसलिए वह अपनी आगे की पढ़ाई मान्यता प्राप्त स्कूल से जारी रख सकते हैं।

शिक्षा विभाग ने बताया कि मध्य प्रदेश के दंपति स्कूल में बच्चों का एडमिशन लेते थे और उनसे फीस वसूलते थे।

इसके बाद उनका एडमिशन एक मान्यता प्राप्त स्कूल में कराया जाता था। कुछ बड़े मान्यता प्राप्त स्कूल से उनके संपर्क थे, जिसमें फीस की कुछ रकम इनके स्कूल को दी जाती थी। यह स्कैम 2018 से चल रहा था। वहीं अभिभावक का कहना है कि उनके बच्चे का लिविंग सर्टिफिकेट पिछले दो साल से नहीं दिया गया है। कोरोना काल में स्कूल फीस भरने के लिए दबाव बनाते थे। कई बार कहने के बाद भी स्कूल प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

वहीं कुछ अभिभावकों का कहना है कि परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण पत्र पहले दो बार दिया गया था, लेकिन वो सर्टिफिकेट अलग-अलग स्कूलों के थे। बता दें 2019 से यह स्कूल यहां चल रहा था लेकिन गांव वालों में शिक्षा का अभाव होने के कारण इस फर्जी स्कूल के बारे में किसी को भनक तक नहीं लगी। अब इस फर्जी स्कूल का खुलासा हुआ है।

तमिलनाडु के बसपा अध्यक्ष की हत्या पर राहुल गांधी ने जताया शोक

बीजेपी ने की सीएम स्टालिन के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली । (एजेंसी)

तमिलनाडु के बसपा अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या पर लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने अफसोस जाहिर किया है। वहीं भाजपा ने नैतिक आधार पर सीएम स्टालिन से इस्तीफा देने की मांग की है। राहुल गांधी ने लिखा, बसपा के तमिलनाडु प्रमुख आर्मस्ट्रांग की क्रूर और घृणित हत्या से गहरा सदमा लगा है।

तमिलनाडु कांग्रेस के नेता स्टालिन सरकार के लगातार संपर्क में हैं, और मुझे विश्वास है कि सरकार दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तमिलनाडु में बढ़ते क्राइम पर अफसोस जाहिर किया है। उन्होंने कहा, हर इंडी (इंडी गठबंधन) शासित प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो रही है। पंजाब में देखा और अब तमिलनाडु में देख रहे हैं। तमिलनाडु में बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग को शाम 7 बजे के करीब 6 हमलावर कई असलहों से लैस होकर पहुंचे और उन्हें मार दिया गया। उन्होंने राहुल गांधी और सीएम स्टालिन पर अवसरवादी राजनीति करने का आरोप लगाया है। पूनावाला ने कहा, जिस तरह से हत्या हुई वहां दिखाता है कि वहां कोई कानून का डर नही है.. क्राइम बढ़ता जा रहा है। जहरीली शराब पर राहुल गांधी कुछ नहीं बोलते है। इस पर भी मौन रहते... क्या राहुल गांधी जाएंगे वहां? नहीं जाएंगे क्योंकि ये अवसरवादी राजनीति करते हैं। चेन्नई में तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या कर दी गई थी। पेरम्बूर में उनके घर के बाहर उन पर हमला किया गया था। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूसी ईंधन टैंकों में लगी आग

मॉस्को । रूस में क्रास्नोडार क्षेत्र के तीन जिलों पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा किए गए हमले में ईंधन टैंकों में आग लगी, हालांकि इन हमलों में कोई घायल नहीं हुआ। मुख्यालय ने कहा पांच से छह जुलाई की रात में क्रास्नोडार क्षेत्र की कई नगर पालिकाओं में नागरिक सुविधाओं पर कीव शासन-येइस्की, लेनिनग्रादस्की और पावलोवस्की जिलों द्वारा हमला किया गया था। हवाई रक्षा द्वारा दुश्मन के ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन के टुकड़े गिरने के परिणामस्वरूप एक सेल फोन टावर को मामूली क्षति दर्ज की गई। लेनिनग्रादस्काया की बस्ती में मानव रहित हवाई वाहन के टुकड़े गिरने के बाद एक तेल डिपो में ईंधन भंडारण टैंक में आग लग गई। मौके पर आपात्कालीन और सुरक्षा सेवाएं काम कर रही हैं।

तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित : संयुक्त राष्ट्र

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि कैरिबियन में तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में तूफान से लगभग 40 हजार, ग्रेनेडा में 1 लाख 10 हजार से ज्यादा और जमैका में 9 लाख 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तूफान बेरिल से अब तक करीब 11 लोगों की मौत हुई है। तूफान वर्तमान में बेलीज और मैक्सिको को प्रभावित कर रहा है। कैरियाकू 70 प्रतिशत और पेटिट मार्टिनिक में 97 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में यूनियन द्वीप पर 90 प्रतिशत घर प्रभावित हुए, जबकि कैनुआन द्वीप पर लगभग सभी इमारतों को नुकसान पहुंचा।

गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले.... 87 लोगों की मौत

गाजा । गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले देखने को मिल रहे हैं। पिछले 48 घंटों में इजरायली हमलों में करीब 87 लोगों के मारे जाने की खबर है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में करीब 38,098 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 87,705 अन्य घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि पत्रकार अमजद जहजौह, उनकी पत्नी पत्रकार वफा अबू दबान और उनके बच्चे की नुसीरात शरणार्थी शिविर में इजरायली बमबारी में मौत हो गई है। जाहजौह और उसकी पत्नी की हत्या के साथ, 7 अक्टूबर को गाजा पर इजरायली युद्ध की शुरुआत के बाद से मारे गए फिलिस्तीनी पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूसी ईंधन टैंकों में लगी आग

मॉस्को । रूस में क्रास्नोडार क्षेत्र के तीन जिलों पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा किए गए हमले में ईंधन टैंकों में आग लगी, हालांकि इन हमलों में कोई घायल नहीं हुआ। मुख्यालय ने कहा पांच से छह जुलाई की रात में क्रास्नोडार क्षेत्र की कई नगर पालिकाओं में नागरिक सुविधाओं पर कीव शासन-येइस्की, लेनिनग्रादस्की और पावलोवस्की जिलों द्वारा हमला किया गया था। हवाई रक्षा द्वारा दुश्मन के ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन के टुकड़े गिरने के परिणामस्वरूप एक सेल फोन टावर को मामूली क्षति दर्ज की गई। लेनिनग्रादस्काया की बस्ती में मानव रहित हवाई वाहन के टुकड़े गिरने के बाद एक तेल डिपो में ईंधन भंडारण टैंक में आग लग गई। मौके पर आपात्कालीन और सुरक्षा सेवाएं काम कर रही हैं।

ब्रिटेन के नामचीन शख्स ने फूंक दिया करोडों का बंगला

-इसकी वजह जानकर आप रह जाएंगे दंग

पेरिस । ब्रिटेन के रहने वाले एक करोड़पति और नामचीन शख्स ने अपने ही बनाए बंगले को आग की लपटों के हवाले कर दिया। इसके पीछे जो वजह थी, वो जानकर आप दंग रह जाएंगे क्योंकि आमतौर पर कोई ऐसा सोचता भी नहीं है। जानकारी के मुताबिक गोल्फर फ्रांसिस मैकगिर्क ने ये कांड किया है, वो 50 साल की पक्की उम्र में। अब इस सनकी काम के लिए वजह भी कुछ सनकी ही होगी। फ्रांसिस मैकगिर्क कोई ऐसे शख्स नहीं हैं, जिन्हें कोई नहीं जानता। वे जाने-माने गोल्फर रह चुके हैं और करोड़पति भी हैं। उनका केंट के सैंडविच में एक आलीशान बंगला है, जो सीधा समंदर की ओर फेस करता है। इस लग्ज़री प्रॉपर्टी को उन्होंने 25 जून को खुद अपने हाथों से आग के हवाले कर दिया। इस दौरान उनका फैमिली डॉग अंदर ही था। वो तो गनीमत रही कि पड़ोसियों ने तुरंत ही फायरफाइटर्स को कॉल किया और कुत्ते की जान बच गई। बंगले को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, पर सवाल ये उठा कि आखिर फ्रांसिस ने ऐसा किया क्यों? फ्रांसिस ने बंगले को आग लगाने से पहले अपनी पत्नी को मैसेज किया था कि वो घर को फूंकने जा रहे हैं। दरअसल उनकी पत्नी सराह से उनका तलाक का केस चल रहा था। ऐसे में उन्हें इस प्रॉपर्टी का हक न मिले, इसलिए फ्रांसिस ने इसे आग लगाकर फूंक दिया। पहले उन्होंने खाने वाले तेल से इसे फूंकना चाहा लेकिन बाद में कुशन के ज़रिये पूरे घर में आग लगा दी। जब ये मामला कोर्ट में पहुंचा तो जज भी वजह जानकर दंग थे। हालांकि फ्रांसिस को जेल नहीं हुई और उन्हें वॉर्निंग देकर छोड़ दिया गया। बता दें कि दुनिया में आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। किसी का दिल बड़ा होता है और चीज़ों को बहुत आराम से सुलझाता है तो कोई ऐसा होता है कि छोटी-छोटी बातों में अपना आपा खो देता है। इस स्वभाव का अमीरी-गरीबी या पढ़े-लिखे और गैर पढ़े-लिखे होने से कोई नाता ही नहीं है।

काम के बोझ से नहीं मर सकता रोबो, -लोग लगा रहे कयास, रोबो खुदकुशी पर जांच है जारी

कैलिफोर्निया। जिंदा इंसान खुदकुशी करता है तो समझ में आता है कि अब उसके जीने के तमाम रास्ते बंद हो चले थे, इसलिए उसने यह कदम उठा लिया होगा, लेकिन रोबोट तो उतना ही काम कर सकता है, जितना कि उसे करने के लिए बनाया गया है। वैसे भी खुदकुशी करना तो जुर्म है। इसलिए रोबो को बनाने वालों ने खुदकुशी जैसा कोई फीचर उसमें सेट किया हो, कहा नहीं जा सकता। दरअसल रोबो के द्वारा खुदकुशी करने का मामला जब से सामने आया है, लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और बयान दे रहे हैं। ऐसे ही कुछ लोगों का कहना है कि रोबोट ने खुदकुशी नहीं की होगी, बल्कि जिसने उसे आदेश दिया होगा, उसने ही उसे ऐसा करने पर मजबूर किया होगा। वैसे रोबो की खुदकुशी वाले मामले ने सभी के होश उड़ा दिए हैं। यह मामला दक्षिण कोरिया से सामने आया है। यहां एक रोबोट के खुदकुशी करने का मामला गर्माया हुआ है। सेंट्रल साउथ कोरिया में नगर पालिका ने बताया कि वह एक मामले की जांच करेगा, जिसमें रोबोट ने खुद को सीढ़ियों से नीचे गिरा कर खुदकुशी की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये रोबोट नगर निगम के कार्यों में मदद करता था। नगर निगम टीम के एक अधिकारी ने बताया कि रोबोट करीब एक साल से गुमी शहर के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों में मदद कर रहा था। वह बीते हफ्ते सीढ़ियों से नीचे निष्क्रिय अवस्था में पाया मिला यानी वो सक्रिय नहीं था। अधिकारी ने बताया कि चश्मदीदों ने रोबोट को गिरने से पहले इधर-उधर घूमते देखा था। मानो वह कुछ ढूंढ रहा यह गड़बड़ लगा। इन्होंने कहा कि घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. ऐसा माना जा रहा है कि रोबोट काम के कारण तनाव में था। अधिकारी ने आगे कहा कि रोबोट के पार्ट्स को एकत्रित कर लिया गया है और इसे बनाने वाली कंपनी इसका परीक्षण करेगी। एक अन्य अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा, ये आधिकारिक तौर पर शहर की नगर पालिका का हिस्सा था और हममें से एक ही था। कैलिफोर्निया में बियर रोबोटिक्स द्वारा बनाया गया ये रोबोट सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काम करता था और इसका अपना पब्लिक सर्विस कार्ड भी था। एक मंजिल तक सीमित अन्य रोबोट्स के विपरीत ये लिफ्ट को बुला सकता था और फ्लोर्स में ऊपर नीचे तक जा सकता था। स्थानीय अखबारों ने इस खबर को कवर पेज पर छापा है। एक की हेडिंग में पूछा गया है इस मेहनती पब्लिक सर्वेंट ने इस तरह का व्यवहार क्यों किया? या क्या रोबोट के लिए काम बहुत कठिन था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया रोबोट के प्रति अपने आकर्षण के लिए जाना जाता है, जहां हर दस कर्मचारियों पर एक रोबोट है। यहां दुनिया में सबसे ज्यादा रोबोट्स हैं। बहरहाल लोग तो यही मान रहे हैं कि रोबो खुदकुशी नहीं कर सकता है, बल्कि उसे प्राग्राम करने वालों से गलती हुई है, जिससे वो समय से पहले ही मृतप्राय-हो गया।

मेडिसन में समर्थकों से मिलने के दौरान सेल्फी लेते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन।

मुझे भगवान ही राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं

-बाइडन ने पहली बहस में खराब प्रदर्शन पर कहा-मैं बीमार था

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली और कहा कि वह बहस से पहले थके हुए और बीमार थे साथ ही बाइडन ने कहा कि केवल ''सर्वशक्तिमान भगवान'' ही उन्हें 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं। बाइडन ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। अटलांटा में 27 जून को ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन की लोकप्रियता की 'रेटिंग' गिर गई है जिसके बाद उनकी पार्टी के ही कुछ नेताओं ने उनसे राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया था। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का लक्ष्य लिए चुनावी मैदान में उतरे बाइडन ने ट्रंप पर झूठा होने का आरोप लगाया है। बाइडन ने अपनी पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कहा कि यह एक किसी गंभीर स्थिति का कोई संकेत नहीं था। मैं थक गया था। मैंने अपने मन की नहीं सुनी और यह एक बुरी रात थी। उन्होंने कहा कि मैं बीमार था। चिकित्सक मेरे साथ थे। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मेरी कोविड-19 संबंधी जांच की है। उन्होंने मेरी जांच की लेकिन मुझे संक्रमण नहीं हुआ था। मुझे सर्दी लग गई थी। बाइडन ने कहा कि बहस में उनके खराब प्रदर्शन में किसी और की नहीं बल्कि मेरी गलती थी। उन्होंने यह भी कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के किसी भी प्रमुख नेता ने उनसे चुनाव से हटने के लिए नहीं कहा है।

ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद जगी बड़ी उम्मीद

भारत-ब्रिटेन में फाइनल हो सकती है फ्री ट्रेड डील

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में लेबर पार्टी सत्ता में लौट आई है। कीर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने डेविड लैमी को विदेश सचिव (विदेश मंत्री) बनाया है। वह भारत और ब्रिटेन के द्वीपक्षीय संबंधों पर काफी मुखर रहे हैं। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को दोस्त बताया और पिछले सप्ताह उन्होंने एक महीने के भीतर भारत दौरे की अपनी मंशा जाहिर की।

ब्रिटिश विदेश मंत्री डैविड लैमी पिछले सप्ताह लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम को संबोधित कर रहे थे, जब उन्होंने भारत दौरे की अपनी मंशा का खुलासा किया था। उनके विदेश मंत्री बनने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एज जयशंकर ने उन्हें बधाई भी दी और दोनों देशों के बीच इंगेजमेंट बढ़ाने और पार्टनर्शिप को मजबूत करने की बात कही।

दिवाली 2022 में ही फाइनल होनी थी डील

ब्रिटिश विदेश मंत्री का पद ग्रहण करने के बाद डैविड लैमी ने कहा कि विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के लिए राज्य सचिव नियुक्त किया जाना मेरे जीवन का सम्मान है। भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील पर बोरिस जॉनसन को घेरते हुए उन्होंने कहा था कि ट्रेड डील के बिना कई दिवाली आई और गई, कई बिजनेस इसका इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, यह ट्रेड डील जॉनसन के कार्यकाल से ही पेंडिंग है, जिन्होंने दिवाली 2022 तक इसे फाइनल करने का वादा किया था।

ब्रिटिश मंत्री ने भारतीय मंत्रियों से की ये अपील

ब्रिटिश मंत्री ने अपने एक भाषण में कहा था, (वित्त) मंत्री (निर्मला) सीतारमण और (ट्रेड) मंत्री (पीयूष) गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर पार्टी आगे बढने के लिए तैयार है। चलिए हम फाइनली फ्री ट्रेड डील को पूरा करते हैं। भारत को ब्रिटेन के लिए प्राथमिकता बताते हुए डैविड लैमी ने इकोनॉमिक, टेक्नोलॉजिकल और कल्चरल सुपरपावर बताया था।

ब्रिटिश मंत्री ने भारत को बताया महाशक्ति

डैविड लैमी ने अपने भाषण में कहा था, लेबर के साथ, बोरिस जॉनसन द्वारा एशिया में रुडयार्ड किपलिंग की उस पुरानी कविता को दोहराने के दिन खत्म हो गए हैं। अगर मैं भारत में कोई कविता सुनाऊंगा, तो वह टैगोर की होगी। क्योंकि भारत जैसी महाशक्ति के साथ सहयोग और सीखने के क्षेत्र असीमित हैं।

ब्रिटेन के नए पीएम ने मंत्रिमंडल में 11 महिलाओं को किया शामिल

-रेचल रीव्स चांसलर ऑफ एक्सचेकर तो शबाना बनी न्याय मंत्री

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के नए पीएम कीर स्टारमर ने अपना नया मंत्रिमंडल बनाया है। इस मंत्रिमंडल में एंजेला रेनर को डिप्टी पीएम और रेचल रीव्स को पहली महिला चांसलर ऑफ द एक्सचेकर बनाया है। स्टारमर के मंत्रिमंडल में 25 सदस्यों की टीम में 11 महिलाओं को भी शामिल किया है। नए मंत्रिमंडल में यवेट कूपर को गृह मंत्री, डेविड लैमी को विदेश मंत्री और जॉन हीली को रक्षा मंत्री बनाया गया है।

मंत्रिमंडल में शबाना महमूद को न्याय मंत्री, वेस स्ट्रीटिंग को स्वास्थ्य, ब्रिजेट फिलिप्सन को शिक्षा और एड मिलिबैंड को ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। ब्रिटेन पीएम के रूप में अपने पहले भाषण में कीर स्टारमर ने देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को पटरी पर लाने, ब्रिटिश सीमाओं को सुरक्षित करने और स्कूलों और किफायती घरों की जरुरत को पूरा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने बदलाव और राजनीति को सार्वजनिक सेवा में वापस लाने के लिए लोगों ने निर्णायक रूप से मतदान किया है।

स्टारमर ने कहा कि देश को बदलना स्विच दबाने जैसा नहीं है, उन्होंने कहा कि दुनिया अस्थिर हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलाव का काम तुरंत शुरू होगा, लेकिन इसमें समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अगर मैं आपसे अभी पूछूं कि क्या आपको लगता है कि ब्रिटेन आपके बच्चों के लिए बेहतर होगा, तो मैं जानता हूं कि आप में से बहुत से लोग कहेंगे नहीं, इसलिए मेरी सरकार तब तक लड़ेगी जब तक आप यह नहीं कहते कि देश आपके बच्चों के लिए बेहतर होगा।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी, मंगल पर छिड़ेगी जंग, दुनिया का होगा अंत

लंदन (एजेंसी)। बुल्गारिया के बाबा वेंगा की कई भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। उनमें से एक वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला भी थी। साल 2023 में भी बाबा वेंगा की कुछ भविष्यवाणी सच साबित हुई। अब उन्होंने एक बार फिर 2025 और आने वाले कुछ सालों की भविष्यवाणी की है। इस भविष्यवाणी को पढ़कर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

बता दें कि वेंगेलिया पांडेवा गुशटेरोवा, जिन्हें बाबा वंगा के नाम से जाना जाता है, एक नेत्रहीन बल्गेरियाई रहस्यवादी व्यक्त थे, जिनकी मृत्यु 1996 में 85 वर्ष की आयु में हो गई। उनकी मृत्यु के बाद भी दुनिया भर के लोग अभी भी उनकी भविष्यवाणियों पर यकीन रखते हैं। बाल्कन के नास्त्रेदमस' कहे जाने वाले बाबा वेंगा ने दावा किया कि उन्होंने 12 साल की उम्र में अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी और फिर उनमें भविष्यवाणी करने का उपहार विकसित हुआ।

बाबा वेंगा की मुख्य भविष्यवाणियां

2025: यूरोप में एक बड़े संघर्ष के कारण महाद्वीप की जनसंख्या में कमी आएगी

2028: मानवता ऊर्जा के नए स्रोत खोजने के प्रयास में शुक्र ग्रह पर पहुंचेगी

2033: ध्रुवीय बर्फ के पिघलने से समुद्र के स्तर में वृद्धि होगी

2076: साम्यवाद वैश्विक स्तर पर वापस आएगा

2130: अलौकिक सभ्यताओं से संपर्क होगा

2170: वैश्विक सूखा

3005: मंगल ग्रह पर युद्ध

3797: पृथ्वी का विनाश

5079: दुनिया का अंत

नासा ने दिया अपडेट, स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में चिंता की बात नहीं

-सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने में हो रही देरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सुनीता विलियम्स उनका साथी अंतरिक्ष यान स्पेस में कैसे है? यह बात सभी को परेशान कर रही है। आखिर क्या वजह हैं कि उन्हें लौटने में देरी हो रही है? इस सभी बातों के बीच अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सुनीता विलियम्स और उनके स्पेसक्राफ्ट को लेकर अपडेट दिया है। नासा ने कहा कि सुनीता का स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में है। इसका अर्थ यह है कि चिंता की कोई बात नहीं है।

नासा ने सुनीता विलियम्स के बोइंग स्टारलाइनर के अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ा दिया है और यह 45 दिन और चलेगा। सुनीता से वापस लौटने में हो रही देरी के कारण तनाव का माहौल था। नासा ने पिछले सप्ताह कहा था कि स्पेस क्राफ्ट काफी अच्छी स्थिति में है और 45 दिनों से अधिक समय तक ऑर्बिट में रह सकता है।

बता दें सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को ले जाने वाले विमान को पांच जून को लॉन्च किया था।

बोइंग अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण में लॉन्च से पहले गड़बड़ियों देखी गई थीं। इन्हीं सब कारणों से कई बार देरी हुई। अंतरिक्ष प्रक्षेपण शुरू में एक सप्ताह की अवधि के लिए तय था, लेकिन बाद में इसे लेकर सर्विस मॉड्यूल बढ़ा दिया गया है। यह हीलियम लीक के कारण अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किए जाने के लिए मजबूर होने के बाद दो महीने तक बढ़ा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में सीएनएन के हवाले से बताया कि नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम मैनेजर स्टीव स्टिच ने घोषणा की है कि बोइंग स्टारलाइनर के मिशन में 45 दिनों से लेकर 90 दिनों की देरी हो सकती है।

सऊदी अरब ने किया नई वीजा सीरीज का ऐलान, घूमने की दी सुविधा

रियाद। सऊदी अरब ने अब भारतीय यात्रियों को पर्यटक वीजा को नई वीजा सीराज देने का ऐलान किया है। इससे भारतीय आसानी से सऊदी का वीजा ले सकेंगे और वहां घूमने जा सकेंगे। सऊदी सरकार ने स्टॉपओवर वीजा, ई-वीजा सर्विस और वीजा ऑन अराइवल की सुविधा दी है। इन वीजा से पर्यटक रियाद और जेद्दा जैसे शहरों के साथ ही लाल सागर और अल-उला जैसे प्राचीन शहर का भ्रमण करने जा सकेंगे। सऊदी सरकार ने नई गाइडलाइन और वीजा के विकल्प अलग-अलग तरह की यात्रा जरूरत को पूरा करने के मकसद से तैयार किए हैं ताकि पर्यटक सऊदी घूमने आ सकें। इस समय मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद, बैंगलोर, लखनऊ, कोलकाता और कालीकट में दस वीजा सुविधा केंद्र हैं। दूसरे शहरों में भी ऐसे केंद्र बनाने की योजना है। यह सऊदी विजन 2030 के तहत है। इसका लक्ष्य 2030 तक 75 लाख भारतीय को सऊदी बुलाना है। सऊदी सरकार इस समय भारत को बड़े पर्यटक बाजार के रुप में देख रहा है। सऊदी सरकार ने 2024 के आखिर तक पर्यटकों की संख्या को दोगुना कर 22 लाख करने का लक्ष्य तय किया है। भारतीय अब सऊदी के स्टॉपओवर वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं, जो 96 घंटे तक के लिए वैध है और इसे प्रशासन और बीमा सेवाओं के लिए मामूली शुल्क पर सऊदी एयरलाइन की वेबसाइट पर 90 दिन पहले लिया जा सकता है। अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम या किसी शेंगेन देश से वैध पर्यटक या व्यावसायिक वीजा रखने वाले भारतीय, प्रवेश के स्टांप प्रमाण के साथ ई-वीजा के लिए पात्र हैं। आधिकारिक पोर्टल के जरिए से प्रस्थान से पहले ई-वीजा लिया जा सकता है।

ऋषि सुनक को क्यों झेलनी पड़ी इतनी बड़ी हार? क्या रही इसकी वजह, 5 प्वाइंट में जानें

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में लेबर पार्टी 14 सालों के बाद फिर से सत्ता पर काबिज हो गई है। कीर स्टारमर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर अपना विजयी भाषण भी दिया। 650 सीटों के हाउस ऑफ कॉमन में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए 326 सीट पर जीतना जरूरी है। लेबर पार्टी ने तो अबकी बार 400 पार का नारा लगाने बिना ही इसे पूरा कर दिया। पिछली बार लेबर पार्टी ने 209 सीटें ज्यादा जीती हैं। वहीं कंजर्वेटिव पार्टी जो पिछले 14 साल से सत्ता में है और जिसने पांच प्रधानमंत्री ब्रिटेन को दिए उसे एक करारी हार का सामना करना पपड़ा है। इस बड़ी जीत के बाद कीर स्टारमर ने कहा कि ये एक नई शुरुआत होगी और ब्रिटेन अब दोबारा से पब्लिक सर्विस की राजनीति करेगा। लेबर पार्टी बदलाव की तरफ काम करेगी।

1. ओपिनियन पोल्स जता रहे थे अनुमान

ऋषि सुनक भले ही अपनी सीट से जीत गए हैं, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। यही ओपिनियन पोल्स भी बार बार बता रहे थे। लेकिन एक उम्मीद थी कि हो सकता है कि ये पोल सही न हो। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तीसरे नंबर पर लिबरल डिमोक्रेट पार्टी आई है जिसने 71 सीटें जीती है। उसे पिछली बार के मुकाबले 63 सीटों का फायदा हुआ है। पूर्व पीएम लिज ट्रस भी चुनाव हार गई। वहीं रिफॉर्म यूके पार्टी ने चार सीटें जीती हैं। ऋषि सुनक ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से बाहर निकलते हुए बर्घिंगम पैलेस जाकर किंग चार्ल्स को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

2. सुनक को दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया

सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 14 साल के शासन के बाद शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पार्टी में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शपथ लेने के 20 महीने बाद सुनक प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ हो गए हैं। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए असंभव कार्य की ओर कदम बढ़ाया। उस दौरान तत्काल प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम पार्टीगेट स्कैंडल में सामने आया था जिससे वह अलोकप्रिय हो गए थे।

3. पार्टीगेट स्कैंडल

कोविड रोधी लॉकडाउन के समय संबंधित नियमों का उल्लंघन कर बोरिस जॉनसन के घर पार्टी की गई थी जिसे पार्टीगेट स्कैंडल के नाम से जाना जाता है। सुनक को अक्टूबर 2022 में दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। तब उन्होंने 210 साल में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री और देश के पहले अश्वेत नेता के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया था।

4. एंटी इनकमबेंसी फैक्टर

प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट के द्वार पर अपने पहले संबोधन में सुनक ने देश की समस्याओं को करुणा के साथ देखने और आर्थिक स्थिरता एवं विश्वास को अपनी सरकार के प्रमुख

एजेंडे के रूप में रखने का संकल्प किया था। उन्होंने पूर्ववर्ती लिज़ ट्रस के नुकसानदेह साबित हुए मिनी-बजट के कारण बढ़ती महंगाई के बीच विशेष रूप से अस्थिर अवधि में कार्यभार संभाला था। हालांकि, वह महंगाई कम करने के अपने उद्देश्य में सफल रहे, लेकिन आतंरिक रूप से अत्यधिक विभाजित उनकी पार्टी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की व्यापक भावना और तेज हो गई।

5. जनता चाहती थी बदलाव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सुनक दोनों ने एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हासिल करने की दिशा में काम किया, लेकिन 14वें दौर में बातचीत रुक गई क्योंकि दोनों नेता अपने-अपने देशों में आम चुनाव की तैयारियों में लग गए। पिछले 14 सालों से लगातार कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता संभाले हुए थी। लोग बदलाव चाहते थे। लोगों को लग रहा था कि कंजर्वेटिव पार्टी अपने वादों को नहीं निभा सकी है। बदलाव का समय आ चुका है। ये परिणाम उसी बदलाव का संकेत हैं।

संपादकीय

दबे पांव आया खतरा

सेहत के मामले में अच्छी खबरें बहुत कम सुनाई देती हैं। इस बार भी जो खबर आई है, वह बहुत अच्छी नहीं है। हालांकि, इसके पीछे की जो पहल है, उसकी तारीफ तो की ही जानी चाहिए। पहली बार देश में कोलेस्ट्रॉल को लेकर दिशा-निर्देश जारी हुए हैं। अभी तक जब देश के डॉक्टर मरीजों के कोलेस्ट्रॉल या सरल भाषा में कहें, तो शरीर में जमा हो गई चर्बी का इलाज करते थे या लोगों को 'लिपिड प्रोफाइल टेस्ट' कराने की हिदायत देते थे, तो वे यह काम 'यूरोपियन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी' के दिशा-निर्देशों के तहत कर रहे होते थे। यह अक्सर कहा जाता रहा है कि भारत की परिस्थितियां दूसरी हैं और लोगों का रहन-सहन बिल्कुल अलग तरह का है, इसलिए यूरोपीय मानक पूरी तरह भारत के लोगों पर लागू नहीं किए जा सकते। 'कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' की 22 सदस्यीय समिति ने अब अधिक कोलेस्ट्रॉल की वजह से होने वाले डिस्लिपिडेमिया को लेकर जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे इसी मायने में महत्वपूर्ण हैं। शरीर का यह ऐसा विकार है, जिसका पता अक्सर खुद उसके शिकार को भी नहीं चल पाता, क्योंकि अक्सर इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई देते। नतीजा यह होता है कि वह धीरे-धीरे हृदय रोग और गंभीर स्थितियों में हृदयाघात जैसी समस्याओं की ओर बढ़ता जाता है। बहरहाल, इस संगठन ने भारत के बारे में जो आंकड़े दिए हैं, वे डराने वाले हैं। देश की 81 फीसदी आबादी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ज्यादा मिला है, यानी चुपचाप होने वाले इस शारीरिक विकार का खतरा देश की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से पर मंडरा रहा है। इसके साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि अभी भी हमारे देश में आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। बहुत सारी छोटी-छोटी मौसमी बीमारियों तक का इलाज, खासकर दूरदराज के अनेक ग्रामीण इलाकों में आज भी सहज उपलब्ध नहीं है, और जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं, वहां भी शायद ही इस तरह की समस्या के इलाज की समुचित व्यवस्था होगी। इसलिए हमारे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ज्यादा बड़ी है। दुनिया भर में डिस्लिपिडेमिया को जीवन शैली से जुड़ी समस्या माना जाता है। कहा जाता है कि इस समस्या के मूल में आर्थिक समृद्धि के कारण लोगों की खान-पान की शैली बदलना है। फास्ट-फूड के आधुनिक दौर में अब हमारे भोजन में ज्यादा शर्करा, ज्यादा कार्बोहाईड्रेट और ज्यादा वसा होने के कारण यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। लेकिन यह तर्क शायद भारतीय समाज पर पूरी तरह से लागू नहीं होता। जिस देश में आज भी आबादी का काफी बड़ा हिस्सा मुफ्त अनाज पर निर्भर हो, वहां बहुसंख्यक लोगों को होने वाली शारीरिक समस्या के लिए सिर्फ उस जीवन शैली को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जिसका सेहरा हम अक्सर समृद्ध लोगों के सिर पर बांधते रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय स्थितियों में इस समस्या के प्रसार के अभी और गहन अध्ययन की जरूरत है। इसी के साथ-साथ यह भी बहुत जरूरी है कि इस समस्या से बचाव के तरीकों का देश में पर्याप्त प्रचार-प्रसार हो। यह बहुत कठिन काम नहीं है। उदाहरण भी हमारे पास है। सही तरीके से प्रचार के कारण ही कोविड के दौर में बहुत बड़ी आबादी ने मास्क पहनने शुरू कर दिए थे। इसके इलाज को सर्वसुलभ बनाने के रास्ते भी हमें खोजने होंगे।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

(लेखक- ललित गर्ग)

भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुर्बानी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी।

कुछ समय पूर्व स्विट्ज़रलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक-दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा।

पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनज़र शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषत: समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं।

शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है। महानगरों की बढ़ती आबादी को सिर छुपाने को मकान चाहिए, जिसके लिये हरीतिमा क्षेत्रों को हम कंक्रीट के जंगल में तब्दील करते जा रहे हैं। नदी थी खेती के लिए, मछली के लिए, दैनिक कार्यों के लिए, न कि उसमें गंदगी बहाने के लिए। गांवों के कस्बें, कस्बों के शहर और शहरों के महानगर में बदलने की होड, एक ऐसी मृग मरीचिका में लगी है, जिसकी असलियत कुछ देर से खुलती है लेकिन जब खुलती है तब तक लोगों की सांस लेना दुभर हो चुका होता है, जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगते हैं।

दरअसल स्वतन्त्र भारत के विकास के लिए हमने जिन नक्शे कदमों पर चलना शुरू किया उसके तहत बड़े-बड़े शहर पूंजी केन्द्रित होते चले गये और रोजगार के स्रोत भी ये शहर ही बने। शहरों में सतत एवं तीव्र विकास और धन का केन्द्रीकरण होने की वजह से इनका बेतरतीब एवं असंतुलित विकास स्वाभाविक रूप से इस प्रकार हुआ कि यह राजनीतिक दलों के अस्तित्व और प्रभाव से जुड़ता चला गया, लेकिन पर्यावरण एवं प्रकृति से कटता गया। प्रबुद्ध नागरिक बढ़ते शहरीकरण को लेकर चिंतित रहते हैं और अनियोजित शहरी विकास को नियोजित विकास का रूप दिलाने के लिए न्यायालयों तक का दरवाजा खटखटाते हैं। इसके बावजूद अनियोजित शहरीकरण बढ़ रहा है। शहरीकरण के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। ऐसे में नीति निर्माताओं को इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना होगा। शहरों के विस्तार की बजाय गांवों-कस्बों के विकास पर ध्यान देना होगा। गांव आधारित आर्थिक विकास एवं आर्थिक व्यवस्था को प्रोत्साहन देना होगा। वहां रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था करके ग्रामीण आबादी को शहरों की ओर पलायन से रोका जा सकता है। इससे शहरों पर दबाव भी कम होगा और पर्यावरण, स्वास्थ्य, जीवनशैली पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव में भी कुछ हद तक कमी आएगी।

नेपाल और इंग्लैंड में सरकारों का पतन

(लेखक - राकेश अचल)

7 भारत में भाजपा गठबंधन की सरकार जैसे-तैसे बच गयी लेकिन पड़ौस में नेपाल और इंग्लैण्ड की सरकारें गिर गयी । नेपाल में सरकार बैशाखी हटने से गिरी जबकि इंग्लैंड में जनादेश से। दुनिया में सरकारों का बनना,बिगड़ना एक सनातन प्रक्रिया का अंग है ,लेकिन इनके बनने-बिगड़ने का असर आस=पड़ोस पर भी पड़ता ही है। भारत के साथ भी यही फार्मूला लागू होता है। इसलिए भारत और भारतवासियों को इन घटनाओं पर नजर रखना पड़ती है ।

सबसे पहले बात नेपाल की करें। यहां प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की सरकार थी । बैशाखियों पर टिकी ये सरकार आखिर गिर गयी। सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड को हटाने के लिए सबसे बड़ी पार्टी (नेपाली कांग्रेस) के साथ सत्ता-साझेदारी समझौते के बाद समर्थन वापस ले लिया है.अब यहां केपी शर्मा ओली के मुख्यमंत्री बनने की संभावना है। शर्मा जी भारत के नहीं चीन के समर्थक हैं । इसलिए भारत को शर्मा जी के आने से परेशानी होना स्वाभाविक है। नेपाल में पिछले 16 साल में 13 सरकारें गिरीं हैं ,नेपाल की सरकारों के गिरने की कहानी अलग है। अभी तो हम प्रचंड के जाने और ओली के आने की बात कर रहे है।

नेपाल में हमारे कुछ साहित्यिक मित्र हैं जो बताते रहते हैं की प्रचंड ने भारत की तर्ज पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने की दिशा में काफी काम किया । भारत में राम लाला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर नेपाल में भी एक उन्माद पैदा करने की कोशिश की गयी । दीपावली मनाई गयी ,लेकिन राम जी नेपाल सरकार के काम नहीं आये । प्रचंड को आखिर जाना ही पड़ा ,दुनिया में धर्म की राजनीति ज्यादा नहीं चलती । वहां भी जहाँ धार्मिक आधार पर ही चुनाव होते है। बहरहाल हमें शर्मा जी के जाने और ओली जी के आने पर सतर्क रहने की जरूरत है ,क्योंकि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है । हमारी सरकार के सहयोगी दल भी कब अपनी बैशाकहियाँ हटाकर मोदी जी को प्रचंड जैसा असहाय कर दें कोई नहीं जानता।

अब चलिए इंग्लैंड। यहाँ भारत के कथित दामाद ऋषि सुनक की सरकार थी। ताजा चुनाव में इंग्लैंड की जनता ने सुनक की पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया । इस परिवर्तन में भारतवंशियों तक ने सुनक साहब का साथ नहीं दिया। सुनक को भारत की सरकार भारत का दमाद मानती थी। मानना ही चाहिए। हमारे यहां गांव-गोंड़े के रिश्ते बहुत चलते हैं। लेकिन सुनक साहब ने प्रधानमंत्री रहते हुए न भारत के लिए बहुत कुछ किया ,और न भारतवंशियों के लिये । नतीजा ये हुआ कि उन्हें अब सत्ता से बाहर जाना पड़ा। सुनक के प्रधानमंत्री बनने पर उनके भारतवंशी होने को लेकर कभी कोई विवाद नहीं उठा ,अन्यथा वहां कोई गुजराती प्रतिद्वंदी होता तो उन्हें श्यामा गाय का बछड़ा कह सकता था। हमारे यहां तो इटली मूल की भारतीय बहू को जर्सी गाय और बारबाला कहने वाले अनेक विद्वान हैं।

बहरहाल ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है. कंजर्वेटिव पार्टी को अब तक की सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा है. लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के आम चुनाव में जीत के लिए लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी तथा दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साथ ही पारस्परिक विकास व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक व रचनात्मक सहयोग की उम्मीद जताई. मोदी जी ने इसके साथ ही निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व की सराहना की और अपने कार्यकाल के दौरान भारत और ब्रिटेन के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनके 'सक्रिय योगदान' के प्रति आभार जताया।

भारत के आसपड़ोस में श्रीलंका है ,पकिस्तान है ,चीन है इन सबसे हमारे रिश्ते कैसे हैं ,ये बताने की जरूरत नहीं। पाकिस्तान से हमारी कुट्टी हुए अरसा हो चुका है । चीन को हम साबरमती में झूला झूला चुके हैं ,लेकिन उसकी फितरत नहीं बदली। पकिस्तान की फितरत तो बदलने का सवाल ही नही। श्रीलंका भी चीन के प्रभाव में है । उसके ऊपर हमारा प्रभाव न जाने क्यों नहीं पड़ रहा। श्रीलंका वाले तो हमारे मोदी जी के शपथर्ग्रहण समारोह में भी नजर नहीं आये। जो पड़ौसी आये थे उनमें से मालदीव वाले भी मन मारकर आये थे। ये सारे सन्दर्भ में इसलिए आपके सामने रख रहा हूँ क्योंकि आसपास की राजनीतिक गतिविधियां भारत के अनुकूल नहीं हैं ।भारत में नेपाल जैसी ही गठबंधन की सरकार है। हमारी कामना और प्रार्थना है कि ये सरकार पूरे पांच साल चले,क्योंकि भारत जैसा गरीब देश दो-ढाई साल में चुनाव की मार सहने की स्थिति में नहीं है। लेकिन हमारी कामना और प्रार्थना से बात बनने वाली नहीं है । ये सरकार तो नायडू,नीतीश बाबू , जलते-बुझते चिराग और जीतनराम माझी के भरोसे चलने वाली सरकार है । जिस दिन भी इन छुटभैयों का माथा सटका उस दिन सरकार को प्रचंड गति मिलने से कोई रोक नहीं सकता। ऐसी सरकारें अक्सर हिकमत अमली से चलती हैं। पीव्ही नरसिम्हाराव ,अटल बिहारी बाजपेयी और डॉ मनमोहन सिंह ने ऐसी सरकारें बाखूबी चलकर दिखाई । किन्तु माननीय मोदी जी के लिए ऐसा करना शायद कठिन हो। क्योंकि वे न राव हैं ,न बाजपेयी हैं और न मनमोहन सिंह। वे मोदी जी हैं,नरेंद्र दामोदर मोदी। उनकी चाल,चरित्र और चेहरा बदलना आसान काम नहीं है।उनका एजेंडा हिडन नहीं है,खुल्लम-खुल्ला है। वे भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं क्योंकि आरएसएस ऐसा चाहता है। वे मजबूर हैं। वे भारत की विविधता ,धर्मनिरपेक्षता को नहीं मानते। वे मुसलमानों को भारत का नागरिक नहीं मानते । उनके लिए मणिपुर भारत का कोई राज्य नहीं है।

कुल जमा हमारे लोग ब्रिटेन में भी हैं और नेपाल में भी। इसलिए हमें यहां हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अपनी विदेश नीति की भी समीक्षा करना पड़ेगी । आने वाले दिनों में अमेरिका में भी चुनाव होना है हमें सबको साथ लेकर इस मसले पर संसद में संसद के बाहर चाय पीते हुए भी बात करना पड़ेगी ,अन्यथा हमारे लिए यानि भारत के लिए, नयी समस्याएं खड़ी हो सकतीं हैं। हमें उम्मीद है कि हमारी बैशखियों पर टिकी सरकार इस मामले में गाम्भीर्य का प्रदर्शन करेगी। नहीं करेगी तो सरकार के साथ-साथ पूरे देश को इसका खमियाजा भुगतना पडेगा।सरकार कि मुखिया का या है ,वे तो फकीर हैं ,लेकर अपना झोला झंडा चल पड़ेंगे।

विचार मंथन

लोकसभा में नीट मामले पर चर्चा क्यों नहीं

(लेखक- सनत जैन)

18वीं लोकसभा का गठन हुआ है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में संसद के दोनों सदनों में चर्चा हुई। विपक्ष द्वारा स्थगन प्रस्ताव पेश किया गया था। विपक्ष चाहता था कि 24 लाख नीट के विद्यार्थियों पर चर्चा हो। सत्ता पक्ष ने इसको स्वीकार नहीं किया। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट में नीट मामले की याचिकाएं विचाराधीन होने की आड़ में सरकार नीट मामले में सदन के अंदर चर्चा करने से बचती रही। संसद एक ऐसा मंच है। जहां पर सांसद किसी भी बात को निष्पक्षता और निडरता के साथ रख सकते हैं। सदन के अंदर सांसद न्यायपालिका और न्यायाधीशों के संबंध में भी अपनी बात खुलकर कह सकते हैं। न्यायालय में जो कार्रवाई चल रही होती है, उस पर जरूर कोई टीका-टिप्पणी सांसद नहीं करते हैं। लोकसभा में अध्यक्ष की सहमति से सार्वजनिक महत्व के किसी भी मामले में सदन के नियमित कामकाज को स्थगित करके चर्चा कराए जाने का प्रावधान है। पहले भी सदन के अंदर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा होती रही हैं। नीट मामले में 24 लाख परीक्षार्थी प्रभावित हुए हैं। 100000 युवाओं का एडमिशन एमबीबीएस में होना है। इतने महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा नहीं कराया जाना, सार्वजनिक महत्व के मुद्दों से मुह मोड़ने के समान है। इस मामले में यदि लोकसभा में चर्चा होती तो निश्चित रूप से सरकार को इसका फायदा होता। सरकार के खिलाफ अभी पेपर लीक मामले और नीट के मामले में युवाओं में रोष देखने को मिल रहा है। यदि चर्चा हो जाती, आम सहमति से सदन में कोई सहमति बनती। इससे युवा वर्ग के घाव पर मलहम लगाने जैसा उपचार होता। सरकार ने सदन में नीट मामले में चर्चा नहीं होने दी। सुप्रीम कोर्ट में जो शपथ पत्र सरकार ने प्रस्तुत किया है उसमें कहा गया है, कि नीट परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं हुई। जिसके कारण परीक्षा कैंसिल करनी पड़े। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने नीट को लेकर जो पक्ष रखा है। युवाओं के जख्म पर नमक छिड़कने जैसा काम किया है। यही बात संसद के अंदर चर्चा में आती। पक्ष विपक्ष अपनी अपनी बात रखते। सरकार जिस आधार पर कह रही है, कि परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। संसद के माध्यम से वह बात सारे देश में पहुंचती। इससे युवाओं में जो नाराजी है, वह कम होती। युवाओं को लगता सदन में उनकी बात सुनी गई है।

न्यायपालिका की आड़ लेकर पिछले कुछ वर्षों से महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषयों पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा रही है। पहले भी कई मामलों में यह देखा जा चुका है। पैगासस, राफेल और हिडेनबर्ग जैसे मामले में सदन में चर्चा नहीं कराई गई। न्यायपालिका में विवाद को डाल दिया गया। न्यायपालिका की आड़ लेकर सरकार हमेशा अपना पक्ष रखने से बचती रही है। सरकार ने न्यायालय में सील बंद लिफाफे में जानकारी देने की नई परंपरा शुरू की। न्यायालय से सरकार ने अपने पक्ष में निर्णय भी प्राप्त कर लिया। इसको लेकर न्यायपालिका और सरकार के प्रति लोगों के विश्वास में कमी देखने को मिल रही है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा ने जिस तरह से न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष किया है। उन्होंने न्यायपालिका को लेकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने यहां तक कह दिया, प्रेगनेंसी होगी या नहीं होगी। इसी तरह न्यायालयों से न्याय होगा या अन्याय होगा। जिस तरह से न्यायालय में आधे-अधूरे निर्णय दिए जा रहे हैं। विपक्ष के बारे में न्यायपालिका की भूमिका कुछ और है। सत्ता पक्ष के बारे में न्यायपालिका की भूमिका कुछ और है। उन्होंने सदन के अंदर न्यायपालिका के जजों की कार्यप्रणाली पर प्रत्यक्ष हमला किया है। वर्तमान केंद्र सरकार के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। विपक्ष अब आक्रामक मुद्रा में है। न्यायपालिका को भी अपनी साख बचा कर रखना जरूरी हो गया है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी स्थिति में सरकार न्यायपालिका की आड़ लेकर ज्यादा दिनों तक बच नहीं सकती है। वर्तमान स्थिति में लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अध्यक्ष और सभापति की जिम्मेदारी है। संवेदनशील मामलों में, जैसे नीट, मणिपुर, बजट और संसद में जो भी कानून बने, उन सब में संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सत्ता पक्ष और विपक्ष में चर्चा कराई जाए। इससे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लिए जा सकेंगे।

बचपन

मिल गई सीख

बाल कहानी

आकाश को घर से बाहर जब भी कोई जानवर दिखता, वह उसे तंग करने लगता। कभी वह उन पर पत्थर फेंकता, तो कभी उनकी पूंछ खींचकर भाग जाता। एक दिन उसकी नजर सड़क पर आराम कर रहे भूरे रंग वाले कुत्ते पर गई। उसने जैसे ही उसकी पूंछ पर अपना पैर रखा, तो कुत्ते को आती हुए एक गाड़ी ने टक्कर मारकर लहूलुहान कर दिया। शोरगुल सुनकर आस-पास के सभी लोग जमा हो गए। आकाश के पड़ोस के अंकल शर्माजी को कुत्ते के चिल्लाने की आवाज सुनकर दया आ गई। उन्होंने कुत्ते को उठाया और घर की ओर चल दिए। उसकी चोट पर दवा लगाई। उसे दूध भी पिलाया। तीन-चार दिन बाद ही कुत्ता स्वस्थ हो गया।

एक दिन आकाश घूमने के लिए कहीं जाने लगा। उसने मम्मी से कहा कि वह दोपहर तक लौट आएगा। संयोग से आकाश के पीछे-पीछे वह कुत्ता भी चला गया। दोपहर तो क्या शाम भी बीत गई। आकाश नहीं लौटा। घर वाले चिंतित हो गए। उसके पापा कुछ लोगों को अपने साथ लेकर उसे ढूंढने निकल पड़े। चारों ओर उन लोगों ने नजर दौड़ाई, लेकिन आकाश का पता नहीं चला। वे लोग निराश होकर लौट रहे थे कि तभी उन्हें कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनाई दी। वे लोग उसी ओर गए, जिधर से आवाज आ रही थी। वहां पहुंचने पर आकाश के पिता ने कहा, अरे, यह तो शर्मा जी का कुत्ता है। उन लोगों ने देखा कि कुत्ता बार-बार एक पत्थर पर अपने पंजे मार रहा है, मानो उसे हटाने की कोशिश कर रहा हो। वह लगातार भौंक भी रहा था। पत्थर बहुत बड़ा था और वह गुफा के द्वार के सामने पड़ा था। सबने मिलकर पत्थर को हटाया तो देखा कि आकाश अंदर बेचैन-सा बैठा है। लोगों ने जब उससे पूछा कि तुम इसमें बंद कैसे हो गए, तो आकाश ने बताया कि उसने एक खरगोश को इस गुफा में बैठे हुए देखा। उसे पकड़ने के लिए ज्योंही अंदर घुसा, यह पत्थर लुढ़कता हुआ गुफा के मुंह पर आ टिका। सभी लोगों ने एक साथ कहा- आज तुम्हारी जान इसी कुत्ते ने बचा ली। यह सुनते ही आकाश उसे खूब प्यार करने लगा। उसने उसी समय भविष्य में किसी भी जानवर को तंग न करने का संकल्प ले लिया।

अब अंतरिक्ष में भी बन सकेगा खाना

दोस्तो आपने यह तो देखा ही होगा की मनुष्य आकाश गंगा तक पहुंच गया है। सफेद रंग की पोशक में व्यक्ति एक रॉकेट में बैठकर हवा में उड़कर स्पेस में जाता है। लेकिन क्या तुमने कभी यह देखा है कि वहां पर खाने की क्या व्यवस्था है।आओ हम तुम्हें बताते हैं स्पेस खगोलयात्री क्या खाते हैं। आमतौर पर अंतरिक्ष में जाने वाले खगोलयात्रियों को केवल अंतरिक्ष आहार खाकर ही गुजारा करना होता है। यह अंतरिक्ष आहार पकाया हुआ न होकर पैकेज्ड होता है। अंतरिक्ष आहार के बारे में अब तक हम यही जानते थे। लेकिन नासा की हालिया रिसर्च के मुताबिक, खगोलयात्रियों यदि मंगल ग्रह पर जाने के बाद अपनी कॉलोनी बनाते हैं, तो वे कुछ खास तरह का खाना भी बना सकेंगे। रिसर्च के मुताबिक, मंगल पर वे सियन बोर्च्ट, मोरक्कन टेगिन, सुशी और सी-फूड चाउडर जैसे आहार पका सकते हैं। एक मशहूर वेबसाइट के मुताबिक, यह रिसर्च पूरा होने की कगार पर है। नासा के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई और कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने भी रिसर्च में अपना योगदान दिया है।

मुश्किल आने पर शरीर फुलाती है पफर फिश

गोलमटोल सी दिखने वाली पफर फिश आसानी से पहचानी जा सकती है। खतरा महसूस होने पर ये अपने पेट को कुछ ही सेकेंड में फुलाकर बड़ा कर लेती हैं। हिंद, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों के कुनकुने पानी में पफर फिश की 120 से ज्यादा प्रजातियां पायी जाती हैं। जानकारों के अनुसार, इनकी सिर्फ 30 प्रतिशत प्रजातियां ताजे पानी में रहती हैं। पफर की कुछ प्रजातियां ऐसी भी हैं जो प्रजनन के दौरान खारे या ताजे पानी में आकर रहने लगती हैं। हालांकि पहले पफर फिश की आबादी स्थिर थी लेकिन आज महासागरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ चुका है, साथ ही इनके प्राकृतिक आवास घटते जा रहे हैं जिससे इनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। सामान्य रूप से इनकी उम्र दस साल होती है।

इन मछलियां की लंबाई एक इंच से लेकर दो फुट तक होती है। एक इंच लंबी पफर फिश को 'पिग्मी' कहते हैं और ज्यादा बड़ी को 'जायंट पफर' कहते हैं। सभी पफर फिश में सामान्य बात यह है कि इनमें अपने भीतर ढेर सारा पानी रखने की क्षमता होती है।

कभी-कभी ये पानी की जगह ज्यादा मात्रा में हवा भी खींच लेती हैं। इससे इनके शरीर का आकार बढ़ जाता है और ये देखने में फुटबॉल जैसा प्रतीत होती हैं। जब यह दुश्मनों को देखती हैं तो उन्हें डराने के लिए अपना आकार बड़ा कर लेती हैं।

वैज्ञानिक मानते हैं कि पफर फिश आत्मरक्षा के लिए अपने शरीर को फुलाकर बड़ा कर लेती हैं। वे अच्छी तैराक नहीं होतीं। अचानक खतरा सामने हो तो ये भाग नहीं पातीं और शिकारियों को सिर्फ डराने के लिए ऐसा करती हैं।

पफर की लगभग सभी प्रजातियों के शरीर में जहर होता है। इसे टेट्रॉडोटोक्सिन कहते हैं। इनका जहर सायनाइड के मुकाबले 1200 गुना तक घातक हो सकता है। एक पफर फिश के भीतर इतना जहर होता है कि वह 30 वयस्क लोगों को मार सकता है। जहर इनके हर अंग में नहीं पाया जाता। ।

जापान में कुछ संस्कृतियां ऐसी हैं जहां पफर फिश से फुगू नामक व्यंजन बनाया जाता है। जापानी लोग फुगू को स्वादिष्ट बनाने के तरीके जानते हैं। केवल प्रशिक्षित शेफ ही पफर फिश को साफ करते हैं क्योंकि उन्हें ही पता होता है कि इन्हें किस तरह स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। कहते हैं कि पफर फिश को काटने में थोड़ी सी गलती हो जाए तो खाने वाले की मौत भी हो सकती है! शार्क मछलियां ही एकमात्र समुद्री जीव हैं जिन पर पफर फिश के जहर का कोई असर नहीं होता। इसलिए शार्क पफर फिश को बिना किसी डर के खा लेती हैं।कुछ पफर ऐसी होती हैं जो देखने में काफी चमकीले रंग की होती हैं। इनका चमकीलापन इनके शरीर के भीतर मौजूद रंग निर्माण और जहर पैदा करने की मात्रा पर निर्भर है। ज्यादा चमकीली पफर के भीतर ज्यादा मात्रा में जहर होता है।

पफर फिश की त्वचा मजबूत और रूखी होती है। इनकी कुछ प्रजातियों में रीढ़ की हड्डी होती है। पेट इनके शरीर का सबसे लचीला हिस्सा होता है। जब पफर फिश मुंह से पानी खींचती है, तो इनके पेट का आकार सामान्य आकार से कई गुना फैल जाता है।

इनमें चार नुकीले दांत होते हैं। ये दांतों का इस्तेमाल शंबुक यानी मसल, बड़ी सीपी यानी क्लैम और सीपदार मछली यानी शेलफिश पर हमले के लिए करती हैं। पफर फिश शैवाल और कई तरह के कृमि यानी वॉर्म्स के अलावा कड़े खोल वाले जल जीवों को भी खाती हैं। ये बहुत साफ देख लेती हैं।

बाल कविता

घर का मतलब

धरती सुबह–सुबह छप्पर से,
लगी जोर से लड़ने।
उसकी ऊंचाई से चिढ़कर,
उस पर लगी अकड़ने।
बोली बिना हमारे तेरा,
बनना नहीं सरल है।
मेरे ऊपर बनते घर हैं,
तू उसका प्रतिफल है।
अगर नहीं मैं होती भाई,
तू कैसे बन पाता।
दीवारें न होतीं, तुझको,
सिर पर कौन बिठाता।
छत बोला यह सच है बहना,
तुम पर घर बनते है।
किंतु बिना छप्पर छत के क्या,
उसको घर कहते हैं?
घर का मतलब, फर्श दीवारें,
छप्पर का होना है।
करो अकड़ना बंद तुम्हारा,
ज्ञान बहुत बौना है।
बिना सहारे एक–दूसरे,
के हम रहें अधूरे।
छत, धरती, दीवारों, दर से,
ही घर बनते पूरे।

बेटे की सीख

बेटे ने उस दिन बापू से,
कहा, पिताजी वोट डालिए।
आज मिला चुनने का मौका,
इस मौके को, को नहीं टालिए।
यह अवसर भी गया हाथ से,
पांच साल फिर न आएगा।
थोड़ी–सी गफलत के कारण,
गलत आदमी चुन जाएगा।
ऐसे में तो अंधकार के,
हाथों सूरज हार जाएगा।
झूठों के चाबुक सॅ सच्चा,
निश्चित ही सच मार खाएगा।
यह कहना है व्यर्थ पिताजी,
कि चुनाव से क्या करना है?
'सच्चाई के वोट वोट से,
अच्छों की रक्षा करना है।'
उठो पिताजी करो शीघ्रता,
अच्छे मतदाता बन जाओ।
किसी योग्य अच्छे व्यक्ति को,
चलो वोट डालकर आओ।

सबसे बड़ा पश्चाताप

श्वेतांक जब भी क्लास में किसी के पास बढिया पेन देखता, वह उसे चुराने की जुगत में लग जाता। वह यह बर्दाश्त नहीं कर पाता कि कोई उससे अच्छा पेन खरीद पाए। एक दिन लंच ऑवर में जब सभी बच्चे कक्षा से बाहर थे, उसने कविता के बैग की ओर अपना हाथ बढ़ाया। उसने चारों तरफ देखा और पेन चुरा लिया। वह उसे चुराकर काफी खुश था, क्योंकि अब किसी के पास उससे अच्छा पेन नहीं था।

थोड़ी देर बार लंच पीरियड खत्म हो गया और पढ़ाई शुरू हो गई। टीचर ने नोट्स लिखाना शुरू किया। सबने देखा कि कविता धीरे-धीरे रो रही थी। सभी बच्चों ने उसे चुप कराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। फिर टीचर ने उससे पूछा- कविता, तुम क्यों रो रही हो? वह बोली- मैडम, मेरा बहुत प्यारा पेन था, जो मेरी मां ने मुझे मेरे जन्मदिन पर उपहार में दिया था, वह खो गया है। मेरी मां सिलाई करके पैसे जोड़ती हैं और उन्हीं पैसों से उन्होंने पेन खरीदकर दिया था। आज मैं उन्हें कैसे बताऊंगी कि उनका दिया हुआ पेन मैं संभालकर नहीं रख पाई। मैडम ने कहा- मैं अभी तुम्हारे क्लास के सहपाठियों के बैग्स चेक करवाती हूं। यह सुनकर श्वेतांक घबरा गया। उसने पेन किसी दूसरी जगह छिपा दिया, जिससे वह किसी को नहीं मिल पाया। शाम को घर आकर श्वेतांक ने मां से पूछा- अगर मेरी वजह से कोई परेशान हो जाए और फिर रोने भी लगे, तो इसका मतलब कि मैं गंदा हूं ना? उसकी मां ने कहा- नहीं बेटा, तुम गंदे नहीं, अच्छे लड़के हो। यदि तुमने किसी को रुलाया है, तो तुम उससे माफी मांग लेना, क्योंकि माफी सबसे बड़ा पश्चाताप है। अब श्वेतांक को मां की बात समझ में आ गई। अगले दिन उसने कविता को उसका पेन दे दिया और माफी मांगते हुए वायदा किया कि आज के बाद ऐसी गलत हरकत कभी नहीं करूंगा। किसी को अपने जीवन में नहीं रुलाऊंगा। कविता ने उसे माफ कर दिया और दोनों सच्चे मित्र बन गए।

टेस्ला के पास भारत में निवेश के लिए नहीं है पैसा

-टेस्ला के अधिकारियों ने भारत सरकार से बातचीत की बंद

नई दिल्ली । जानीमानी कंपनी टेस्ला ने भारत सरकार को बताया है कि उसके पास अभी निवेश के लिए पैसे की कमी है। इसलिए वह फिलहाल भारत में पैसा नहीं लगाएगी। टेस्ला दुनियाभर में दिक्कतों का सामना कर रही है। उसकी कारों की बिक्री में लगातार दूसरी तिमाही में गिरावट आई है। चीन में उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल में मस्क ने कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी। टेस्ला का नया मॉडल साइबरट्रक भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया है। मेक्सिको में टेस्ला के नए प्लांट का काम भी लेट हो गया है। मस्क अप्रैल में भारत आने वाले थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने कंपनी के कामों का हवाला देते हुए अपनी यात्रा रद्द कर दी। भारत सरकार ने विदेशी कंपनियों के लिए ईवी इम्पोर्ट टैक्स कम कर दिया है। लेकिन इसके लिए कंपनियों को भारत में 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा और तीन साल के अंदर स्थानीय स्तर पर ईवी का उत्पादन शुरू करना होगा। अब भारत सरकार टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियों पर निर्भर है। सरकार को उम्मीद है कि ये कंपनियां भारत में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देंगी। सूत्रों ने कहा कि अगर टेस्ला भारत में निवेश करना चाहती है तो उसका स्वागत है। वह नई इम्पोर्ट टैक्स नीति का फायदा उठा सकती है। उन्होंने कहा, टेस्ला को नई इम्पोर्ट टैक्स नीति का फायदा उठाने के लिए अब भी स्वागत है, अगर मस्क फिर से बातचीत शुरू करते हैं तो। बता दें कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में पैसा नहीं लगाएगी। भारत में उसकी निवेश की योजना को न के बराबर ही माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के अधिकारियों ने भारत सरकार से बातचीत बंद कर दी है। अप्रैल में एलन मस्क ने भारत आने का प्लान कैंसिल कर दिया था। तब से टेस्ला ने भारत सरकार से कोई बात नहीं की है।

मोटोरोला का आरएक्स50 अल्ट्रा लांच

-4-इंच का कवर डिस्प्ले, शानदार है कैमरा

नई दिल्ली । भारत में मोटोरोला आरएक्स50 अल्ट्रा को लॉन्च हो चुका है। ये फोल्डेबल स्मार्टफोन क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है। ये कंपनी का लेटेस्ट क्लैमशेल-स्टाइल वाला फोल्डेबल स्मार्टफोन है। इसमें 4-इंच का लार्ज कवर डिस्प्ले दिया गया है। ये वाटर रेजिस्टेंस के लिए आईपीएक्स8 रेटेड है। फोन में 4,000एमएएच की बैटरी भी दी गई है। मोटोरोला आरएक्स50 अल्ट्रा के सिंगल 12जीबी रैम प्लस 512जीबी वेरिएंट की कीमत 99,999 रुपये रखी गई है। इसे मिडनाइट ब्लू, स्प्रिंग ग्रीन और पीच फज कलर ऑप्शन में उतारा गया है। इसकी बिक्री अमेजन प्राइम डे 2024 सेल के दौरान की जाएगी। ये सेल 20 जुलाई से शुरू होगी। इसे ग्राहक मोटोरोला की साइट और लीडिंग रिटेल स्टोर्स से भी खरीद पाएंगे। इसमें रिलायंस डिजिटल भी शामिल है। कंपनी ग्राहकों के लिए 5,000 रुपये की विशेष छूट की पेशकश कर रही है और इससे प्रभावी कीमत 94,999 रुपये हो जाएगी। इसके अलावा, खरीदार चुनिंदा बैंक कार्ड के जरिए भुगतान करने पर 5,000 रुपये की इंस्टैंट बैंक डिस्काउंट का भी फायदा उठा सकते हैं। साथ ही ग्राहकों को यहां नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे ऑप्शन्स भी ग्राहकों को दिए जा रहे हैं। ये फोन स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है और इस प्रोसेसर को 12जीबी तक एलपीडीडीआर एक्स रैम और 512जीबी यूएफएस 4.0 स्टोरेज के साथ पेयर किया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में आउटर में 50एमपी प्राइमरी कैमरा और 50एमपी टेलीफोटो कैमरा (2गुणा ऑप्टिकल जूम) दिया गया है। इसके लिए इनर डिस्प्ले में 32 एमपी का कैमरा भी है।मोटोरोला रेजर 50 अल्ट्रा एक डुअल-सिम (नैनो सिम प्लस ईसिम) है जो एंड्रॉयड 14 पर चलता है और इसमें 6.9-इंच फुल- एचडी प्लस (1,080गुणा2,640 पिक्सल) एलटीपीओ पी एलईडी इनर डिस्प्ले है जिसमें 165 एचज़ेड रिफ्रेश रेट, 300एचज़ेड टच सैंपलिंग रेट और 413पीपीआई पिक्सल डेनसिटी है। रेजर 50 अल्ट्रा के कवर डिस्प्ले में 4 इंच (1,080 गुणा 1,272 पिक्सल) एलटीपीओ पी एलईडी पैनल है जिसमें 165 एचज़ेड रिफ्रेश रेट और एचडीआर 10प्लस सपोर्ट है। इसमें आगे की तरफ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन और पीछे की तरफ वेगन लेदर कोटिंग है। फ्रेम एल्युमीनियम से बना है।

म्युचुअल फंड उद्योग का एयूएम 60 लाख करोड़ के पास पंहुचा

मुंबई ।

शेयर बाजारों की तेजी और जोरदार निवेश के बदौलत म्युचुअल फंड उद्योग की औसत तिमाही प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में लगातार दूसरी तिमाही (जून 2024) में करीब दो अंकों की वृद्धि हुई। औसत एयूएम 9 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2024 की पहली तिमाही के 54.1 लाख करोड़ से बढ़कर जून तिमाही में 59 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एमफी) के आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली। पिछली तिमाही में क्रमिक आधार पर करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। फंडों की एयूएम में वृद्धि और बाजार की तेजी को मोटे तौर पर खुदरा निवेशकों से बल मिला है। शेयर बाजारों में उनका भरोसा बरकरार है जबकि कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। आगे भी खुदरा निवेश मजबूत बने रहने की उम्मीद है। एयूएम में वृद्धि नए निवेश और पोर्टफोलियो में मौजूद परिसंपत्तियों में बढ़त पर निर्भर करती है। पिछली कुछ तिमाहियों में दोनों मोर्चे पर बढ़त काफी ज्यादा रही है। 2024 के पहले पांच महीने में ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं ने औसतन करीब 25,000 करोड़ रुपए का मासिक निवेश हासिल किया है। कैलेंडर वर्ष 2023 में औसत शुद्ध निवेश महज 13,465 करोड़ रुपए रहा था। एयूएम में बढ़ोतरी को हाइब्रिड फंडों व पैसिव योजनाओं में नए निवेश से भी सहारा मिला है। पैसिव फंडों (इनमें ईटीएफ, इंडेक्स फंड और ओवरसीज फंड शामिल) ने कैलेंडर वर्ष 2024 के पहले पांच महीने में शुद्ध रूप से 52,000 करोड़ रुपए का निवेश हासिल किया। पिछले साल 5,910 करोड़ रुपए के मुकाबले औसत मासिक निवेश 10,408 करोड़ रुपए रहा है। एसआईपी में मजबूत निवेश और ईपीएफओ व पेंशन फंडों से संस्थागत निवेश म्युचुअल फंडों और बाजार के लिए काफी मददगार रहा है।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 449.88 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में मामूली गिरावट के बावजूद बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,49,88,985.87 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू बाजार में मिले-जुले रुझान के साथ कारोबार हुआ, जिसमें बैंक क्षेत्र का दबदबा रहा। जून तिमाही में शीर्ष बैंकों की जमा वृद्धि में तिमाही आधार पर गिरावट आने से चिंता और बढ़ गई। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया और संबंधित बीएसई सूचकांकों ने अब तक के उच्चतम स्तर को छुआ।

सरकार ने स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों पर आईएसआई मार्क अनिवार्य किया

नई दिल्ली । सरकार ने स्टेनलैस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि यह फैसला उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रलय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था। बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है। यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है। बीआईएस के अनुसार आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो। बयान में कहा गया कि आदेश का अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद अखंडता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह कदम बीआईएस द्वारा रसोई के सामान के लिए हाल ही में तैयार किए गए व्यापक मानकों के अनुरूप है, जिसमें स्टेनलेस स्टील के लिए आईएस 14756:2022 और एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए आईएस 1660:2024 शामिल हैं। मानकों में सामग्री की आवश्यकताएं, डिजाइन विनिर्देश और प्रदर्शन मापदंड शामिल होते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में इस सप्ताह भी तेजी बरकरार रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले पो जि टिव संकेतों की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह भर तेजी देखी गई। हालांकि शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद सेंसेक्स लगभग 80000 अंकों पर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स 198.05 (0.25त) अंकों की बढ़त के साथ 79,230.78 पर खुला और 443.46 अंकों की बढ़त के साथ 79,476.19 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 56.91 अंक चढ़कर 24,067.50 पर खुला और 131.36 अंक चढ़कर 24,141.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सर्वकालिक उच्च स्तरों से पीछे हट गए। सेंसेक्स दिन के उच्च स्तर 79,855 से 600 अंक से अधिक गिरकर 79,236 पर खुला और 34.74 अंक फिसलकर 79,441.45 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 शुरुआती सत्र में 24,200 के स्तर को छूने के बाद 24,100 पर आ गया और हल्की कमजोरी के बाद 24,123.85 पर बंद हुआ। बुधवार को रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार की शुरुआत हुई। इस दौरान पहली बार सेंसेक्स 460.66 अंक मजबूत होकर 80 हजार के पार पहुंच गया और 545.35 अंकों की मजबूती के साथ 80 हजार के करीब पहुंच कर 79,986.80 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 134.31 अंक चढ़कर 24,258.15 पर खुला और 162.66 अंक उछलकर 24,286.50 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को निजी बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में उछाल से मजबूती आई। गुरुवार को सेंसेक्स 186.29 अंक की तेजी के साथ 80,173.09 अंक पर खुला और 350.81 अंक की तेजी के साथ 74,227.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 61.40 अंक चढ़कर 24,347.90 अंक पर खुला और 80.00 अंक की बढ़त के साथ 22,514.70 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसलकर 80,000 के स्तर पर खुला और 53.07 अंकों की गिरावट के साथ 79,996.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 92.21 अंक नीचे गिरकर 24,217.85 के स्तर पर खुला और 21.70 अंकों की बढ़त के साथ 24,323.85 के स्तर पर हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा।

चेतन हंसराज कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में परशुराम की भूमिका निभाएंगे

कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' ने लगातार दर्शकों को हमारी समृद्ध संस्कृति की जड़ों से जोड़े रखा है। भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच के शाश्वत प्रेम पर आधारित, यह शो भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम के आगमन के साथ आगामी एपिसोड्स में एक दिलचस्प मोड़ लाने के लिए तैयार है। और शो में परशुराम की भूमिका निभाने के लिए इस शैली में वापसी कर रहे हैं बहुमुखी अभिनेता चेतन हंसराज, जो शो में अपने सम्मोहक प्रदर्शन से कथा को समृद्ध करने का वादा करते हैं।

आगामी एपिसोड्स में, परशुराम भगवान शिव से मिलने आते हैं, भगवान गणेश उन्हें यह कहते हुए अंदर जाने से मना कर देते हैं कि उनके पिता व्यस्त हैं और वे नहीं चाहते कि कोई उन्हें परेशान करे। इससे परशुराम क्रोधित हो जाते हैं, जिससे उनके और गणेश के बीच भयंकर युद्ध होता है। जैसे ही ऐसा लगता है कि गणेश जीतने वाले हैं, परशुराम गणेश पर अपना परशु चला देते हैं। अपने पिता के सम्मान में, जिन्होंने परशुराम को कुल्हाड़ी उपहार में दी थी, गणेश प्रतिशोध नहीं लेते हैं। इसके बजाय, वह कुल्हाड़ी को अपने ऊपर वार करने देते हैं, जिससे उनका बायां दांत कट जाता है और वह जमीन पर गिर जाते हैं। शो में परशुराम के रूप में अपनी भूमिका पर चर्चा करते हुए, अभिनेता चेतन हंसराज कहते हैं, "कलर्स पर लौटकर मुझे घर वापसी जैसा लगता है। मेरे लिए शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में शामिल होने का एक प्रमुख कारण मेरी मां हैं, जो इस शो के प्रसारित होने के बाद से ही इसकी प्रशंसक रही हैं। भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति ऐसी है कि वह एपिसोड को बार-बार देखती हैं। विविध भूमिकाएं निभाने वाला अभिनेता होने के नाते मुझे दर्शकों से अलग-अलग तरीकों से जुड़ने का मौका मिलता है, लेकिन यह किरदार मेरे लिए बहुत खास है। परशुराम का किरदार निभाने का अवसर मैं हमेशा याद रखूंगा, खासकर इस शो के लिए मेरी मां के प्यार को देखते हुए। मैं अपने सभी दर्शकों और शुभचिंतकों से वैसा ही प्यार और समर्थन पाने के लिए आशान्वित और उत्सुक हूं, जैसा कि खुशकिस्मती से मुझे हमेशा मिला है।" देखिए 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' हर सोमवार से रविवार रात 8:00 बजे केवल कलर्स पर!

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 651.99 अरब डॉलर हुआ

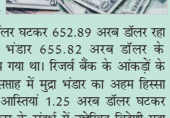

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जून को समाप्त सप्ताह में 1.71 अरब डॉलर घटकर 651.99 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह कुल मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। इस साल सात जून को भंडार 655.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 28 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.25 अरब डॉलर घटकर 572.88 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 42.7 करोड़ डॉलर घटकर 56.53 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.01 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 10 लाख डॉलर बढ़कर 4.57 अरब डॉलर रहा।

बजाज ने उतारी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125

- फ्रीडम 125 सीएनजी के साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो ने 25 साल पहले जब देश में सीएनजी से चलने वाला पहला तिपहिया उतारा था, उस समय कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी को दिल्ली की उनकी टीम ने फोन कहा कि ऑटो चालकों के एक जत्थे ने दिल्ली में कंपनी के शोरूमों के कांच तोड़ दिए हैं। दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 को उतारते हुए बजाज के जेहन में उसकी याद ताजा हो गई। उन्होंने कहा कि मैं हैरान हो गया क्योंकि मुझे लगा था कि सीएनजी तिपहिया चालकों के लिए बेजोड़ होगा। मगर चालक इसलिए नाराज थे क्योंकि दिल्ली में उस समय केवल एक सीएनजी पंप था और ऑटो में गैस भरवाने के लिए उन्हें 10-12 घंटे तक कतार में खड़े रहना पड़ता था। इस वजह से उन्हें सीएनजी के कारण होने वाली बचत का फायदा नहीं मिल रहा था। मगर अब तस्वीर काफी बदल चुकी है। अब भारत के 335 शहरों में 6,000 सीएनजी पंप हैं और संख्या लगातार बढ़ रही है। कंपनी के अनुसार फ्रीडम 125 तीन वैरिएंट और 7 रंगों में उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 95,000 से 1.1 लाख रुपये के बीच होगी। फ्रीडम 125 को उद्योग की तस्वीर बदलने वाली बाइक बताते हुए बजाज ने कहा कि इस बाइक से पेट्रोल आयात, हानिकारक उत्सर्जन, पेट्रोल की ऊंची कीमतों और चार्जिंग स्टेशन खोजने की चिंता से मुक्ति मिल जाएगी। अपने 34 साल के सफर में 100वां उत्पाद उतारते हुए बजाज ने कहा कि आज मुझे अपने पिताजी की बहुत याद आ रही है। फ्रीडम 125 सीएनजी के साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी। बाइक चलाते समय केवल एक स्विच दबाकर पेट्रोल से सीएनजी पर जा सकते हैं या सीएनजी से पेट्रोल पर आ सकते हैं।

आरवीएनएल के शेयर ने निवेशक को किया मालामाल

- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के शेयर ने शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन अपनी बढ़त जारी रखी। इस दौरान इस शेयर ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। शुक्रवार को ये शेयर 18.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 498.05 रुपये के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। हालांकि बाजार बंद होने तक यह शेयर 17.53 फीसदी की बढ़त के साथ 492.15 पर कारोबार कर रहा था। एक दिन में आरवीएनएल के शेयर का भाव 73.40 रुपये बढ़ गया। इसके साथ ही रेलवे की इस कंपनी का मार्केट कैप 1.02 लाख करोड़ पहुंच गया। स्टॉक मार्केट में आरवीएनएल के शेयर ने 52 सप्ताह में 498.50 का हाई बनाया है जबकि इतने ही समय में इस शेयर ने 17.05 का लोअर सर्किट भी लगाया है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने हाल ही में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया है, जिसके बाद से इसके शेयर के भाव में तेजी आ गई। इस एमओयू के तहत, आरवीएनएल मेट्रो, रेलवे, हाई स्पीड रेल, हाईवे, मेगाब्रिज, सुरंग, संस्थागत भवन, वर्कशॉप या डिपो,एसएंडटी कार्य, रेलवे विद्युतीकरण के लिए परियोजना सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करेगा। रेल विकास निगम नई लाइनें, दोहरीकरण, गेज परिवर्तन, रेलवे विद्युतीकरण, मेट्रो परियोजनाएं, वर्कशॉप, पुल, के बल स्टे ब्रिज का निर्माण, संस्थान भवन आदि सहित सभी प्रकार की रेलवे परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के व्यवसाय में है। आरवीएनएल ने इरकॉन इंटरनेशनल को एक बड़ा प्रोजेक्ट अवार्ड किया है। कंपनी ने जानकारी दी है कि इस ऑर्डर का साइज 750 करोड़ रुपये से ज्यादा का है।

चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज व टमाटर का बढ़ेगा रकबा

आलू, प्याज व टमाटर के तेजी से बढ़े भाव से उपभोक्ताओं को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा कि मॉनसून के कारण चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज तथा टमाटर की फसल के रकबे में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे इन तीनों के ही तेजी से बढ़े दाम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में टमाटर के खुदरा भाव 100 रुपये किलो तक पहुंच गए और कुछ शहरों में यह इससे भी महंगा बिक रहा है। प्याज की कीमत भी बढ़कर 60 रुपये किलो हो चुकी है। आलू के भाव भी पिछले साल से तेज हैं और यह खुदरा बाजार में 30 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। कृषि मंत्रालय ने चालू खरीफ सीजन में 2.72 लाख हेक्टेयर टमाटर के रकबे का लक्ष्य रखा है, जो पिछले खरीफ सीजन के रकबा 2.67 लाख हेक्टेयर से अधिक है। मुख्य टमाटर उत्पादक क्षेत्रों जैसे आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार में टमाटर की फसल अच्छी हालत में है। कोलार में टमाटर की नई फसल अगले कुछ दिनों में बाजार में आने लगेगी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे टमाटर उत्पादक राज्यों में भी खरीफ सीजन में टमाटर का रकबा बढ़ा है। दिल्ली में टमाटर के थोक भाव पिछले साल की तुलना में थोड़े कम हैं। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि कुछ सप्ताह पहले दाम ज्यादा थे। रबी सीजन 2024 में प्याज के उत्पादन में थोड़ी कमी के बावजूद घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति ठीक है। सरकार ने इस साल खरीफ सीजन में 3.16 लाख हेक्टेयर प्याज के रकबा का लक्ष्य रखा है। यह पिछले खरीफ सीजन से 27 फीसदी ज्यादा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रमुख खरीफ उत्पादक राज्य कर्नाटक में 30 फीसदी प्याज खेतों में लग चुकी है। कर्नाटक में इस खरीफ सीजन में प्याज के रकबा का लक्ष्य 1.5 लाख हेक्टेयर है। दूसरे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में भी प्याज बोआई का काम अच्छा चल रहा है। 2024 के रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज का उत्पादन होने का अनुमान है, जो प्याज की घरेलू खपत 170 लाख टन को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। रबी वाले प्याज की कटाई के बाद मौसम शुष्क रहने से भी इस साल प्याज के भंडारण में कम नुकसान हुआ है। आलू रबी सीजन की फसल है। लेकिन इसका उत्पादन कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में खरीफ सीजन में भी होता है। खरीफ सीजन वाला आलू सितंबर से नवंबर के बीच बाजार में उपलब्ध होता है।

बैजूस के पूर्व कर्मचारी भी बकाये वेतन को लेकर एनसीएलटी पहुंचे

नई दिल्ली ।

नकदी संकट से जूझ रही एडटेक फर्म बैजूस के 62 पूर्व कर्मचारियों ने अपने बकाये वेतन भुगतान नहीं करने पर कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के बेंगलूरु पीठ में दिवालिया कार्यवाही का मामला दायर करने के लिए नोटिस भेजा है। बैजूस ट्यूशन सेंटर दिल्ली के पूर्व गणित शिक्षक और पूर्व कर्मचारियों के प्रतिनिधि ने कहा कि बेंगलूरु की कानूनी फर्म कैनवास लीगल ने 62 कर्मचारियों की ओर से 2.30 करोड़ रुपये से अधिक का डिमांड नोटिस भेजा है। डिमांड नोटिस में कर्मचारियों को पिछले साल से बकाया वेतन तुरंत देने की मांग की गई है। कंपनी द्वारा 4 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि पत्र मिलने के 10 दिनों के भीतर बकाया परिचालन ऋण को बगैर किसी शर्त के पूरा चुकाएं और ऐसा नहीं करने पर हम थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बैजूस की मूल कंपनी) के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता समाधान के तहत कार्यवाही शुरू करेंगे। बैजूस के 1,500 से अधिक नाराज पूर्व कर्मचारी भी अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हो गए हैं। उनमें से अधिकतर कर्मचारी अपने बकाया राशि के भुगतान के लिए कंपनी को एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ ले जाने की प्रक्रिया में हैं। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने हाल में थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें लाड ने भी पुराने कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने के लिए कहा था।

जिम्बाब्वे के आगे भारत 102 रन पर ऑलआऊट, 13 रन से गंवाया पहला टी20

हरारे (एजेंसी)। जिमबाब्वे ने भारतीय टीम की टी20 में लगातार 12 मैचों में जीत की स्ट्रीक आखिरकार तोड़ ही दी। हरारे के मैदान पर खेले गए पहले टी20 में भारतीय टीम ने भले ही पहले गेंदबाजी करते हुए जिमबाब्वे को 115 रन पर रोक दिया लेकिन जवाब में वह 102 रन पर ही ऑलआऊट हो गए। जिमबाब्वे ने इसी के साथ भारत के खिलाफ अपना न्यूनतम कुल स्कोर भी बचा लिया। मैच में पहले खेलते हुए जिमबाब्वे की ओर से वेस्ले ने 22 गेंदों पर 21, ब्रियान ने 24, डियोन मेयर्स ने 23 तो मदांदे ने 25 गेंदों पर 29 रन बनाकर स्कोर 115 तक पहुंचाया था। भारत की ओर से रवि बिश्नोई ने 13 रन देकर 4 तो सुंदर ने 11 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की ओर से शुभमन गिल ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। चितारा और सिकंदर रजा ने 3-3 विकेट लेकर भारत को जीत से 13 रन दूर कर दिया। इस हार के साथ ही नए कप्तान शुभमन गिल के चेहरों पर पसीना आ गया।

मुकेश-बिश्नोई को पहली गेंदों पर विकेटः जिमबाब्वे की ओर से वेस्ली मधेवेरे और इनोसेंट कैया ने शुरूआत की। वेस्ले ने खलील अहमद की पहली ओवर में 6 रन बनाए। लेकिन दूसरी ओवर फेंकने आए मुकेश कुमार ने पहली ही गेंद पर कैया को बोल्ड कर दिया। इसके बाद ब्रायन बेनेट ने मोर्चा संभाला। उन्होंने खलील अहमद की गेंदों को बाऊंड्री की राह दिखाई। उन्हें छठे ओवर में रवि बिश्नोई ने अपने ओवर की पहली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। बेन ने 23 रन बनाए। पावरप्ले तक जिमबाब्वे ने दो विकेट पर 40 रन बना लिए थे।

सिकंदर रजा ने 17 रन बनाए : पावरप्ले के बाद कप्तान सिकंदर रजा मैदान पर आए और वेस्ले के साथ स्कोर आगे बढ़ाया। लेकिन 8वें ओवर में बिश्नोई ने वेस्ली की विकेट निकाल दी। इसके बाद सिकंदर रजा ने डियोन मेयर्स के साथ मिलकर पार्टनरशिप आगे बढ़ाई। 12वें ओवर में रजा का विकेट गिर गया। वह आवेश खान की गेंद पर बड़ा शॉट लगाना चाहते थे लेकिन बिश्नोई के हाथों लपके गए। उन्होंने 19 गेंदों पर 17 रन बनाए। 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर जोनाथन कैम्बपेल बिना रन बनाए रन आऊट हो गए। जिमबाब्वे ने 12 ओवर में 5 विकेट खोकर 74 रन बना लिए थे।

वाशिंगटन सुंदर ने एक ही ओवर में 2 विकेट चटकाए : भारतीय स्पिनर सुंदर अपनी गेंद से किफायती रहे। उन्होंने जिमबाब्वे के बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। हालांकि इस दौरान डियोन मेयर्स ने एक छोर संभाला लेकिन 15वें ओवर में सुंदर ने उन्हें अपनी ही गेंद पर लपक लिया। डियोन ने 22 गेंदों पर 23 रन बनाए। सुंदर ने इसी ओवर में मसाकाजा को भी पवेलियन की राह दिखा दी। वह कोई रन नहीं बना पाए।

रवि बिश्नोई को मिले 4 विकेट : टीम इंडिया के लिए बिश्नोई शानदार रहे। उन्होंने जिमबाब्वे के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। 16 वीं ओवर फेंकने आए बिश्नोई ने पहले जोंगवे तो बाद में मुजाबानी को पवेलियन की राह दिखा दी। इससे जिमबाब्वे का स्कोर 90 पर 9 हो गया। बिश्नोई किफायती रहे। उन्होंने 4 ओवर के स्पैल में 2 मेडन के साथ 13 रन देते

हुए 4 विकेट लीं। जिमबाब्वे को अंत में मदांदे का सहयोग मिला जिन्होंने 25 गेंदों पर 29 रन बनाकर स्कोर 115 तक पहुंचा दिया।

रोहित, सूर्यकुमार सहित मुम्बई के चार क्रिकेटरों का महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मान हुआ

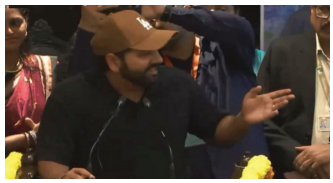

-रोहित बोले, सभी के प्रसासों से मिली जीत

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल मुम्बई के क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे का शुक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन में शानदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में सूर्यकुमार के कैच की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने मुंबई पुलिस की भी विजय परेड को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए प्रशंसा की।। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी उपस्थित थे।

पवार ने रोहित के टी20 से संन्यास को लेकर कहा कि हमें आपकी कमी खलेगी पर हम आपको और आपकी उपलब्धियों को हमेशा ही याद रखेंगे। वहीं फडनवीस ने कहा कि रोहित का नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता पर साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी।

वहीं रोहित ने कहा कि फाइनल में सभी के प्रयासों से टीम को जीत मिली। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर हमने जो सपना देखा था वह सच हो गया। यह टीम प्रयासों का ही परिणाम था। वहीं मजाकिया लहजे में कहा कि सूर्यकुमार से सभी से कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उन्होंने पकड़ ली । अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उसे अगले मैच में नहीं रखते। सूर्यकुमार और शिवम दुबे ने कहा कि हमें जिस प्रकार का सम्मान मिला है उसे हम भुला नहीं पायेंगे।

अगर मैं अंत तक वहां रुकता तो हमारे लिए सबसे अच्छा होता : शुभमन गिल

हरारे (एजेंसी)। टीम इंडिया को आखिरकार जिमबाब्वे की टीम ने हरारे के मैदान पर पहले टी20 मुकाबले में 13 रन से मात दे दी। भारतीय टीम को 116 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन सिवाय शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। भारत की इसी के साथ 12 मैचों से चली आ रही विनिंग स्ट्रीक भी टूट गई। बहरहाल, मैच गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने हार के कारणों पर चर्चा की। गिल ने कहा कि हमने काफी अच्छी गेंदबाजी की, हमने मैदान में खुद को निराश किया। हम मानकों के अनुरूप नहीं थे और हर कोई थोड़ा रूखा लग रहा था। हमने समय लेने और अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेने के बारे में बात की लेकिन यह उस तरह से सामने नहीं आया। आधे रास्ते में हमने 5 विकेट खो दिए थे, अगर मैं अंत तक वहां रुकता तो हमारे लिए सबसे अच्छा होता, मैं जिस तरह से आउट

हुआ उससे बहुत निराश हूं और बाकी अब मैच खत्म हो गया।

वहीं, जिमबाब्वे की जीत के बाद कप्तान सिकंदर रजा ने कहा कि आज मैं योगदान देना चाहता था। जितना हो सके उतना खेलने की कोशिश की। 115 रन इस विकेट पर ठीक था। उन्होंने (चतारा) ने अच्छी गेंदबाजी की। हम चाहते थे कि सिर्फ 2 ही गेंदें खेलने के लिए दें। हमने लड़कों से कहा कि वे अपना सब कुछ दें और चाहे कुछ भी हो, अपना 100त्न दें।

पीसीबी को लग सकता है जोर का झटका, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण में हिस्सा लेने के लिए अगले साल पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेन इन ब्लू आठ-टीम आईसीसी इवेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जो 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेला जाएगा। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत की पाकिस्तान यात्रा के बारे में कोई भी फैसला भारत सरकार द्वारा लिया जाएगा।

सूत्र ने बताया कि हालांकि टूर्नामेंट के विवरण पर अभी तक चर्चा नहीं की गई है, लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी। अंततः

निर्णय भारत सरकार पर निर्भर है। हालाँकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मुद्दे को इस महीने श्रीलंका में होने वाली आईसीसी बैठक में उठाने की योजना बना रहा है। आगे कहा गया है कि इस मामले पर सरकार का निर्णय अंतिम होगा, क्योंकि हमने अभी तक आंतरिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। चूंकि यह एक आईसीसी इवेंट है, इसलिए हमारे पास कोई भी एकतरफा निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, अगली आईसीसी बैठक के दौरान अधिक विवरण सामने आ सकते हैं।

भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। पिछले 16 वर्षों में, केवल एक बार इन दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेली है, और वह 2012-13 में हुई थी। भारत को पिछले साल एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाना था, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और फाइनल सहित भारत के मैच श्रीलंका में खेले गए। हालाँकि, भारत के पाकिस्तान दौरे को छोड़ने के फैसले के बावजूद, पाकिस्तान ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की और हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में मैच खेले।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना रहेगा भारतीय हॉकी टीम का लक्ष्य

नई दिल्ली। पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। अब उसका लक्ष्य इस बार पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना रहेगा। पिछले कुछ समय से हॉकी टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्वस्तर पर उसने कई शीर्ष टीमों को हराया है जिससे अब प्रशंसकों को टीम से इस बार और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय टीम ने चीन में गत वर्ष हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक-2024 के लिए टिकट हासिल किया है। भारतीय टीम ओलंपिक में 27 जुलाई से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। उसका पहला मुकाबला 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से होगा। इसके बाद भारतीय टीम 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड से खेलेगी। वहीं 1 और 2 अगस्त को भारतीय टीम का मुकाबला बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया से होगा। विश्वकप के लिए भारतीय टीम पूल बी में है। इसमें भारत के अलावा बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीम शामिल हैं। वहीं विश्वकप के लिए पूल-ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग अगले माह होंगी, रोड्स को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। महानतम वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आएंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

संन्यास के बाद कमेंट्री और कोचिंग करेंगे एंडरसन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के सबसे अनुभवी और उम्रदराज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह सन्यास के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। 41 साल के एंडरसन ने मई में ही घोषणा कर दी थी कि वह 10 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेलेंगे। एंडरसन ने कहा है कि है कि वह अपने करियर को अलविदा कहने के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। साथ ही कहा कि अभी वह इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा पर मुझे खेल के बारे में बात करना पसंद है। मुझे गेंदबाजी के बारे में बात करना और इसके तकनीकी पक्ष में को लेकर आगे बढ़ना होगा। मैंने टीवी और रेडियो पर कमेंट्री की है, इसलिए मैं शायद दे दोनो पेशे ही अपनाउंगा। इससे पहले इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक आगे भी एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं पर लॉर्ड्स में उनके बाहर होने से यह काफी बड़ा अवसर होगा।

एंडरसन ने संन्यास को लेकर कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उन्हें जो चीजें नहीं मिलीं उनके बारे में एंडरसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट हैट्रिक और शतक बनाना बहुत अच्छा लगता। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत

स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

मार्क के आने से बेहतर होगी ईस्टबंगाल की टीम : प्रबंधन

कोलकाता । ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे। टीम प्रबंधन के अनुसार जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधने ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे। जोथनपुइया ने एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीम की ओर से 2020-21 सत्र में खेला है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। जोथनपुइया अभी भारतीय अंडर-23 टीम से खेलते हैं। एफसी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल के लिए करार किया है। ऐसे में इस खिलाड़ी ने कहा , ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। मेरा प्रयास उसके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना रहेगा।

रिटायर होकर बोले राहुल द्रविड़- सोचा नहीं था आधे दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा कि मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है। मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है। क्योंकि मेरा मानना ?है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों। यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है।

द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था तथा उन्होंने

कभी नहीं सोचा था कि उन्हें आधा दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मेरे कोच बनने के शुरुआती दौर में हम कोविड के प्रतिबंधों से बाहर निकल रहे थे। हमें तीनों प्रारूप में कार्यभार का प्रबंध करना था। कुछ खिलाड़ी चोटिल थे और इस कारण मुझे 8-10 महीने में पांच-छह कप्तानों के साथ काम करना पड़ा। द्रविड़ ने कहा कि यह कुछ ऐसा था जिसकी मैंने कल्पना नहीं की थी या इसके बारे में मैंने सोचा भी नहीं था लेकिन यह स्वाभाविक तौर पर हो गया।

द्रविड़ के कोच रहते हुए भारत ने इंग्लैंड को पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में हराया और टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची। उन्होंने कहा कि कोविड की पाबंदियां हटने के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली। पिछले दो वर्षों में हमने विशेषकर सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया। पिछले कुछ समय में हमने टेस्ट क्रिकेट में भी कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया।

गगनजीत भुल्लर मोरक्को में संयुक्त दूसरे स्थान पर

रबात (मोरक्को)। ओलंपिक की तैयारी में लगे भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने दूसरे दौर में पांच अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे वह 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पहले दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले भुल्लर का कुल स्कोर आठ अंडर हो गया है और वह शीर्ष पर चल रहे अमेरिकी खिलाड़ी जॉन कैटलिन से केवल एक शॉट पीछे हैं। भारत के अन्य खिलाड़ियों में रेहान थॉमस (69-73) संयुक्त 15वें, वरुण चोपड़ा (71-74) और राशिद खान (70-75) संयुक्त 39वें तथा वीर अहलावत (70-76) संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं। भारत के केवल पांच खिलाड़ी ही कट में जगह बना पाए। शिव कपूर (75-72) एक शॉट से कट से चूक गए। कट से चूकने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में हनी बैसोया, खलिन जोशी, करणदीप कोचर, कार्तिक शर्मा, एस चिक्कारंगप्पा, सहक तलवार, एसएसपी चौरसिया, जीव मिल्खा सिंह, युवराज संधू और अजीतेश संधू शामिल हैं।

ओलंपिक पदक खिलाड़ी की जिंदगी और समाज को बदल देता है: साक्षी मलिक

मुंबई (एजेंसी)। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक का मानना है कि ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी की जिंदगी नहीं बदलती बल्कि इसका असर समाज पर भी पड़ता है जिससे बच्चों के लिए कई मौके बनते हैं। साक्षी रियो 2016 में कांस्य से ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान बनी थीं।

साक्षी (31 वर्ष) ने शुक्रवार को मुंबई में कहा कि ओलंपिक का सपना सिर्फखिलाड़ी का सपना नहीं होता बल्कि यह पूरे परिवार का सपना होता है। ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी का जीवन नहीं बदलता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और गांव का जीवन भी बदल जाता है। इस पहलवान ने दावा किया कि आठ साल पहले उनके पदक जीतने के बाद से उनके गृह शहर रोहतक में खेल के बुनियादी ढांचों में कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पदक जीतने के बाद कई अहम बदलाव हुए। रोहतक में छोटू राम स्टेडियम अब एसी हॉल में बदल गया है। मेरे गांव में एक स्टेडियम भी बनाया गया और उसका नाम मेरे नाम पर रखा गया है।

साक्षी ने कहा कि ओलंपिक पदक कई मौके बनाता है, विशेषकर बच्चों के लिए। जिससे उन्हें बेहतर सुविधाओं में ट्रेनिंग करने को मिलती है। हरियाणा में कुश्ती का क्रेज बढ़ गया है। विश्व स्तर पर महिला पहलवान अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और काफी लड़कियां इस खेल को अपना रही हैं। साक्षी ने कहा कि अब लड़कियां साबित कर रही हैं कि वे भी कुश्ती में आगे बढ़ सकती हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के 6 पहलवानों ने क्वालीफाई किया है जिसमें से पांच महिला पहलवान हैं जो विनेश फोगट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) हैं। रियो ओलंपिक में पदक से चूकने वाली भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर भी साक्षी के विचारों से सहमत थीं।

उन्होंने कहा कि 2016 के रियो ओलंपिक के बाद त्रिपुरा में बहुत कुछ बदल गया है। लोगों की सोच थी कि वे जिमनास्टिक में नहीं जा सकते। और अब त्रिपुरा में बहुत कुछ बदल गया। दीपा ने कहा कि उदाहरण के लिए, बुनियादी ढांचा, वॉल्ट, फोम पिट जो बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये पहले नहीं थे। करमाकर के गृहनगर में भी साक्षी की तरह जिमनास्टिक में काफी खिलाड़ी आ रहे हैं और कई ट्रेनिंग सेंटर भी बन गए हैं।

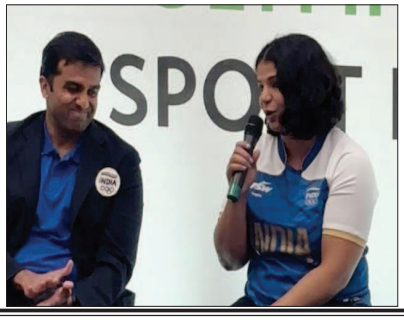

परेशभाई अपने फ्लैट को आश्रय स्थल बनाकर अनाथ, दिव्यांग (मानसिक), वंचित 22 व्यक्तियों और दो अनाथ बच्चों की देखभाल कर रहे हैं

सूरत। गुजरात में शिक्षा स्तर और बालिका शिक्षा के प्रगतिशील विकास को बढ़ावा देने के लिए, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी और राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल ने स्कूल प्रवेश उत्सव-बालिका शिक्षा महोत्सव की शुरुआत की, यह पहल की गई है मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जारी हड़ताल के परिणाम देखने को मिल रहे हैं। सूरत में हीरा दलाल के रूप में काम करने वाले और मानसिक रूप से विकलांग लोगों की सेवा करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता श्री परेशभाई डंकरा ने वर्ष 2019 में फुटपाथ पर मिली दो दिन की नवजात बच्ची और उसकी मानसिक रूप से अस्थिर मां को इलाज के बाद अपने घर लाया। अस्पताल में छोटी बच्ची की हालत देखकर उनका दिल टूट गया और उन्होंने आजीवन एक करीबी बेटी की तरह इसकी देखभाल करने का फैसला किया, इसका नाम येशी रखा और पिछले साढ़े पांच साल से इसे माता-पिता का निस्वार्थ प्यार दे रहे हैं।.

यशवी को चालू वर्ष में पांच साल की उम्र में अपनी शिक्षा के लिए बालवाटिका के पास के सरकारी स्कूल में भर्ती कराया गया था, जिसमें राज्य सरकार के स्कूल प्रवेश उत्सव में यशवी का बालवाटिका में प्रवेश देखा गया था। 28 जून को गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी ने अश्विनीकुमार रोड, सूरत में सूरत नगर निगम द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति, कविज्ञी राजेंद्र शाह प्रा.लि. येधिन को स्कूल नंबर 143 में बालवाटिका में दाखिला दिया गया था।

विशेष: मां की अस्थिर मानसिक स्थिति के कारण परेशभाई ने लड़की के नाम के बाद अपना नाम लिखकर स्कूल में प्रवेश किया, क्योंकि न तो इस महिला को और न ही किसी अन्य को लड़की के पिता के बारे में पता था। इसके लिए उन्होंने वकीलों की कानूनी सलाह लेने के बाद जरूरी हलफनामा बनाकर स्कूल रजिस्टर में लड़की का नाम यशवी परेशभाई डांखरा दर्ज कराया है।

भावनगर जिले के तलाजा तालुका के बेला गांव के मूल निवासी और च्यति पावन चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सूरत को कर्मभूमि बनाने वाले 60 वर्षीय परेशभाई वर्तमान में 22 अनाथ, दिव्यांग (मानसिक), वंचित व्यक्तियों और दो अनाथ

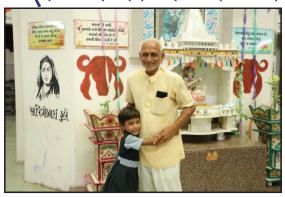

बच्चों का पालन-पोषण कर रहे हैं। अपने फ्लैट को आश्रय बना रहा है. वह अपनी गॉडमदर हंसाबेन की मदद से अनाथ बच्चों के भोजन, दवा, कपड़े समेत उनकी देखभाल कर रहे हैं। वह पिछले 31 वर्षों से मानसिक रूप से अस्थिर, विकलांग, अनाथ, प्रकृति के अन्याय के शिकार लोगों की देखभाल कर रहे हैं। परेशभाई के चार बच्चे हैं जिनमें दो बेटियाँ और दो बेटे हैं। दूसरी बेटी मानसिक रूप से विकलांग है। मानसिक रूप से विक्षिप्त बेटी के जन्म के बाद मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों की सेवा करते-करते उनके मन में उनके प्रति दया उत्पन्न हो गई और उन्होंने ऐसे मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों की सेवा करते हुए तीन दशक बिताए। मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति घर के सभी सदस्यों और परिवार के सदस्यों के साथ रहते हैं।

परेशभाई ने बताया कि मंगलवार दिनांक 08/01/2019 को वराछा पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि लगभग 1 से 2 दिन की एक नवजात बच्ची और उसकी मानसिक रूप से विकलांग मां फुटपाथ पर मिली हैं. वराछा पुलिस स्टेशन ने मॉ और बच्चे को हमें सौंप दिया क्योंकि मैं मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्तियों, अनाथों, विकलांग लोगों की सेवा कर रहा था, इसलिए मैंने माँ और बच्चे को स्मीमेर अस्पताल, सूरत मनपा में भर्ती कराया, और संकल्प लिया कि मैं इस बच्चे को जीवन भर बचाऊंगा, उसकी शिक्षा, जीवन की जरूरतें और शादी तक एक पिता के रूप में जिम्मेदारी निभाऊंगा। इसलिए मैं माँ और बेटी को अपने फ्लैट पर ले आया। उसका नाम यधी रखा गया और चूँकि उसके जैविक पिता का कोई पता नहीं था, इसलिए उसके पिता के मिलने तक उसे सुरक्षित रखने का निर्णय लिया गया। येधी की मां भी अब हमारे साथ रह रही हैं और हम उनकी देखभाल कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इन पांच सालों में उनके पिता कौन हैं, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है. साढ़े पांच साल की उम्र में यशवी को प्री-प्राइमरी शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक सरकारी स्कूल में भर्ती कराया गया। राज्य सरकार के शाला प्रवेशोत्सव-कन्या केलावणी महोत्सव के तहत गृह राज्य मंत्री ने धूमधाम से शाला प्रवेशोत्सव कराया. यह मेरे लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है कि उन्होंने येधी को दूर से बधाई दी और मुझे आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी सेवा में सदैव उनके साथ है।

गृह राज्य मंत्री ने यशवी को उज्ज्वल शैक्षणिक करियर के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह कहना गलत नहीं है कि भगवान ने यशवी को अपनी मां का प्यार देने के लिए सूरत के परेशभाई डांकरा जैसे दुर्लभ सेवाभावी सामाजिक कार्यकर्ता को धरती पर भेजा है। और एक पिता का प्यार. क्योंकि वह इस बच्चे पर एक पिता की तरह प्यार और देखभाल बरसा

बहुभाषी उत्कृष्टता का जश्न: एनआईएफ अनुवाद फेलोशिप 2024-25 विजेताओं की घोषणा

गुजरात।

न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने सभी 10 भारतीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़) में गैर-काल्पनिक कार्यों के लिए एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप 2024-25 के ग्रांट 2 के विजेताओं की घोषणा की है।, मराठी, मलयालम, उड़िया, तमिल, उर्दू) स्नातक अनुवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एनआईएफ अनुवाद फेलोशिप विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में देश के समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित करता है।

प्रत्येक विजेता को 6 महीने के लिए 6 लाख रुपये का वजीफा दिया जाएगा। अनुवाद फेलोशिप 1850 के बाद प्रकाशित भारतीय भाषाओं की पुस्तकों का अंग्रेजी में अनुवाद करने के साथ-साथ विजेताओं को संपादकीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी काम करेगी एनआईएफ के ट्रस्टियों और प्रख्यात द्विभाषी विद्वानों और लेखकों की एक भाषाविद् समिति के साथ। एनआईएफ का उद्देश्य अनुवादित पुस्तकों के माध्यम से समकालीन भारतीय इतिहास के बारे में ज्ञान का समर्थन करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाना है। पिछले दो दशकों के दौरान एनआईएफ बुक में 33 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं फेलोशिप कार्यक्रम। एनआईएफ बुक और एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप हर साल बारी-बारी से आयोजित की जाती है, इसके लिए हर साल अगस्त और दिसंबर के बीच आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप के राउंड 2 पर बोलते हुए, एनआईएफ फेलोशिप के अध्यक्ष, श्रीनाथराघवन ने कहा, "ट्रांसलेशन फेलोशिप के पीछे का विचार भारतीय भाषाओं में भारत के बारे में लिखे गए प्रमुख गैर-काल्पनिक ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद करना और इन महत्वपूर्ण ग्रंथों को अंग्रेजी में लाना है। इस दौर में, हमें दिलचस्प ग्रंथों की एक श्रृंखला का अनुवाद करने का अनुरोध प्राप्त हुआ, जो देश में उपलब्ध विभिन्न बौद्धिक संसाधनों पर बात करते हैं और जिन्हें अभी तक व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं कराया गया है।

मानसून के मौसम में सिंटेक्स प्योर+ टैंक अपनाएं और स्वस्थ जीवन प्राप्त करें

सुरत भुमि, सूरत।

जानी-मानी जल भंडारण समाधान कंपनी सिंटेक्स ने अपने सबसे उन्नत जल भंडारण टैंक - सिंटेक्स प्योर+ के लॉन्च की घोषणा की है। इस टैंक को खासतौर पर गुजरात में लॉन्च किया गया है।

आमतौर पर लोग अपनी खुशहाली के लिए अलग-अलग तरीके ढूंढते हैं। कुछ जिम जाते हैं और प्रयास करते हैं, जबकि अन्य अपने घरों में सभी सुख-सुविधाएं हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इस खुशहाली में पानी भी अहम है. लोगों को साफ पानी मिले तो उनकी सेहत भी दुरुस्त रहती है और इसके लिए लोग पानी की टंकियां खरीदने पर जोर दे रहे हैं.

स्वस्थ जीवन स्तर के लिए, लोग विशेष रूप से चाहते हैं कि उन्हें मिलने वाला पानी शुद्ध हो और जिस टैंक में इसे संग्रहित किया जाता है उसमें जीवाणुरोधी गुण हों और शायद इसीलिए लोगों ने इस प्रकार के टैंक खरीदना शुरू कर दिया है।

पूरे भारत में मानसून की शुरुआत के साथ, दूषित पानी और पानी की गुणवत्ता से समझौता जैसे कारकों के कारण जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ना तय है। इस मौसम में लोगों को इस तरह की समस्या से बचाने और परिवार के स्वास्थ्य और स्वच्छता की रक्षा के लिए सिंटेक्स ने सिंटेक्स प्योर+ वॉटर टैंक पेश किया है।

सिंटेक्स हमारे जीवन में पानी के महत्व को समझता है और इसलिए जल भंडारण समाधानों में अग्रणी है, सिंटेक्स प्योर वाटर टैंक की सफलता के आधार पर, उन्नत सुरक्षा और सुरक्षा के साथ भारत के सबसे स्वच्छ टैंक सिंटेक्स प्योर+ को पेश करने पर गर्व है। यह नया टैंक जल भंडारण को एक नई गुणवत्ता, स्वास्थ्य और स्वच्छता की दिशा में एक कदम आगे ले जाता है।

सिंटेक्स प्योर+ फूड-ग्रेड वर्जिन प्लास्टिक से बना है और एंटी-माइक्रोबियल ब्रेडेड ढक्कन और 15 साल की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वारंटी के साथ आता है।

सिंटेक्स प्योर+ का लाभ प्योर+ सिर्फ पानी के भंडारण से कहीं आगे जाता है। सिंटेक्स प्योर+ के साथ, आप निश्चिंत हो सकते हैं कि आपका परिवार सुरक्षित है। यह सक्रिय रूप से सुनिश्चित करता है कि आपका पानी लंबे समय तक स्वच्छ रूप से ताज़ा रहे।

प्योर+ जल सुरक्षा को फिर से परिभाषित करता है: सिंटेक्स प्योर+ रोगजनकों के विकास को रोकता है और इस प्रकार रोजमर्रा की खपत के लिए स्वच्छ पानी बनाए रखता है।

- 4पी सुरक्षा: उन्नत सामग्रियां एंटी-वायरल, एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-शैवाल गुण प्रदान करती हैं, जो सक्रिय रूप से हानिकारक सूक्ष्मजीवों के विकास को रोकती हैं।
- 15-वर्ष की वारंटी: प्योर+ की गुणवत्ता और स्थायित्व 15-वर्ष की वारंटी द्वारा समर्थित है।
- सीसा रहित और खाद्य-ग्रेड प्लास्टिक: सीसा-मुक्त, खाद्य-ग्रेड प्लास्टिक से निर्मित, प्योर+ यह सुनिश्चित करता है कि आपका संग्रहित पानी उपभोग के लिए शुद्ध और सुरक्षित रहे।

सूरत से अहमदाबाद विहारधाम तक 110 से अधिक स्कूलों के 50,000 बच्चों को मुफ्त स्टेशनरी किट का वितरण

सूरत।

युगप्रधान आचार्यसम पन्यास श्री चन्द्रशेखरविजयजी म.सा. प्रेरित श्री सहस्रफना पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत पिछले तीन दशकों से अखंड, निर्बाध और भूखे लोगों को भोजन कराया जा रहा ऐतिहासिक सेवा कार्य कर रहा है। संस्था करुणा, जीवनदान और धर्मनिष्ठा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य कर रही है। सूरत का एक भी नागरिक भूखा न रहे, इस उद्देश्य से पिछले तीन दशकों से प्रतिदिन 2000 से अधिक भूखे लोगों को भोजन कराया जा रहा है।संस्था ने 5 वर्षों तक सूरत के शहरी प्राथमिक विद्यालयों में पूरे वर्ष नि:शुल्क स्टेशनरी किट वितरित कर एक इतिहास रचा है। वर्ष 2012 में 300 से अधिक नगर प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले 80000 से अधिक बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी किट वितरित किये गये। इसी प्रकार वर्ष 2013 में 300 से अधिक विद्यालयों में 200000 (दो लाख) से अधिक बच्चों, वर्ष 2022 में 105 से अधिक विद्यालयों में 55000 से अधिक बच्चों, वर्ष में 120 विद्यालयों में 60,000 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित किये गये हैं। 2023 और वर्ष 2024 में 110 स्कूलों में 50000 से अधिक बच्चे। संस्था अब तक लाखों बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित कर चुकी है। इस कार्य में कई धर्मार्थ जैन संगठन और 1000 से अधिक कार्यकर्ता सेवा दे रहे हैं। इस वर्ष, संगठन ने इन स्टेशनरी किटों को डांग जिले के आदिवासी स्कूलों के हजारों बच्चों और सूरत से अहमदाबाद मार्ग पर विहारधाम स्कूलों में भी वितरित किया, जहां जैन श्रमण-श्रमणी भगवंत रहते हैं। स्कूल में पढ़ने वाले सभी जैन छात्रों की स्कूल फीस सूरत में श्री सहस्रफना पार्श्वनाथ ट्रस्ट श्री रत्नसागरजी जैन स्कूल द्वारा प्रदान की जाती है, जिसके संस्थापक संघ स्थविर, वचनसिद्ध श्री सिद्धसूरीश्वरजी महाराजा हैं। साथ ही अन्य धार्मिक परिवारों पर भी देवगुरु की असीम कृपा से संस्था द्वारा ऐसे सेवा कार्य प्रतिवर्ष बढ़ते रहते हैं।

रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने राइफल शूटिंग ओपन में सिद्धि प्राप्त की

सूरत। शहर के प्रसिद्ध रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल जहांगीराबाद ने राइफल शूटिंग ओपन अहमदाबाद डिस्ट्रिक्ट शूटिंग प्रतियोगिता एयर राइफल 2024, वडोदरा ओपन साउथ सेंट्रल गुजरात और ओपन भरूच डिस्ट्रिक्ट शूटिंग प्रतियोगिता 2024 में अविश्वसनीय स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है। जिसमें हेत पटेल और मारू जानवी ने अपनी कड़ी मेहनत से अपेक्षित परिणाम हासिल कर जीत हासिल की. जिसमें हेत पटेल ने 2 स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक तथा मारू जानवी ने एक रजत पदक और एक कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम कई प्रतिस्पर्धियों के बीच सूर्य की तरह चमकाया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंध निदेशक किशनभाई मांगुकिया, कैंपस निदेशक आशीष वाघानी और प्रिंसिपल त्रिशार परमार और ट्रेनर तृप्ति शेवाल ने विजेता को बधाई दी और प्रोत्साहित किया।

अग्रवाल महिला मैत्री संघ का दो दिवसीय सावन मेला 19 से

सुरत भुमि, सूरत। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा दो दिवसीय सावन मेले का आयोजन 19 एवं 20 जुलाई को किया जाएगा। संघ की अध्यक्षा सविता सिंघानियाँ एवं सचिव वीणा बंसल ने बताया कि मेले का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया जाएगा। महिला उधमियों को प्लेटफ़ार्म देने के उद्देश्य से आयोजित मेले से प्राप्त आय को कैंसर हॉस्पिटल में दिया जाएगा। मेले की तैयारियों हेतु शनिवार को मीटिंग का आयोजन कर सभी को व्यवस्था दी गई। मीटिंग में संघ की पदमा तुलस्यान, शशि डालमिया, सुमन अग्रवाल, उमा जालान, सोनल मित्तल, अनुराधा गुप्ता, मंजु अग्रवाल, स्नेहलता कादमावाला, विमल अग्रवाल सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

नगर विकास एवं ऊर्जामंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने महाकुम्भ के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। महाकुंभ 2025 की समीक्षा बैठक के उपरांत मंत्री नगर विकास एवं विद्युत उत्तर प्रदेश अरविंद कुमार शर्मा जी ने किला घाट से संगम जा कर वीआईपी जेटी पर पूजन एवं अर्चन किया तदोपरान्त उन्होंने किला घाट पर सिंचाई विभाग द्वारा बनाए जा रहे पक्के घाट के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिए

उन्होंने बड़े हनुमान जी मंदिर जाकर भी दर्शन एवं पूजन किया तथा वहाँ प्रस्तावित कॉरिडोर से सम्बन्धित कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि टेंडर प्रक्रिया एवं एन्करोचमेंट रिमूवल संबंधित सभी कार्य

पूर्ण हो चुके हैं तथा शीघ्र ही कॉरिडोर के विस्तार एवं सुंदरीकरण सम्बन्धित अन्य कार्यों को भी प्रारम्भ करते हुए किये समय अंतर्गत उन्हें पूर्ण कराया जाएगा मंत्री ने निर्माणधीन अक्षयवट कॉरिडोर का भी निरीक्षण किया तथा उन्होंने कार्य को सितम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है उन्होंने सेना के साथ समन्वय बनाते हुए संगम क्षेत्र में स्थायी रैनबसेरा बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है, जिससे कि वर्ष पर्यन्त संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को रूकने की व्यवस्था हो सके इस अवसर पर सासंद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ कुवर वी. के सिंह .के साथ जनप्रतिनिधिगणों के अलावा वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)